INS ACCREDITED
यूंनिकॉम
एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त- 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety
BY
MR GROUP
Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-221 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, सोमवार, 5 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

50 लाख के पुरस्कार पर भी पंचायतों ने नहीं दिखाई दिलचस्पी

495 में सिर्फ 45 ग्राम पंचायतों ने पुरस्कार के लिए आवेदन किया

अंतिम मौका 10 अक्टूबर तक, चयनित पंचायत को मिलेंगे 50 लाख रुपये

यूनिक समय, मथुरा। गांवों में बेहतर विकास कार्य और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री विशेष पुरस्कार योजना को लेकर जिले में ग्राम पंचायतों की बेरुखी सामने आई है। 50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलने के बावजूद जिले की 495 ग्राम पंचायतों में अब तक महज 45 पंचायतों ने ही योजना के लिए आवेदन किया है। ऐसे में 450 ग्राम पंचायतें इस दौड़ से फिलहाल बाहर हैं।

प्रदेश में पहली बार शुरू की गई मुख्यमंत्री विशेष पुरस्कार योजना के तहत ग्राम पंचायतों से 15 सितंबर से आवेदन मांगे गए थे।

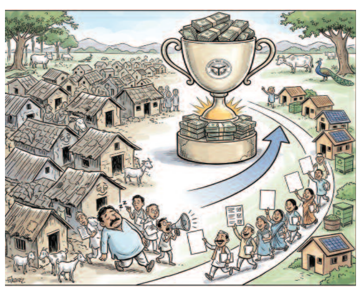

आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई थी। निर्धारित समय तक अपेक्षा के अनुरूप आवेदन नहीं आने पर शासन ने ग्राम पंचायतों को एक और मौका देते हुए अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अक्टूबर कर दी है। इसके बाद प्राप्त आवेदनों के प्रस्ताव शासन को भेजे जाएंगे।

योजना के तहत ग्राम पंचायतों के विकास और उत्कृष्ट कार्यों का विभिन्न मानकों पर मूल्यांकन किया जाएगा। घर–घर कूड़ा एकत्र करने की व्यवस्था, ग्राम पंचायत की आय बढ़ाने के प्रयास, कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से ग्रामीणों को सार्वजनिक सेवाएं उपलब्ध कराना और आधार केंद्र की सुविधा जैसे कार्यों को प्रमुखता दी गई है।

इसके अलावा तरल अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त गांव और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए गए कार्य भी मूल्यांकन का हिस्सा होंगे। 'मेरा तालाब, मेरी योजना', महिला नेतृत्व और सर्वाधिक जैविक कृषि करने वाली ग्राम पंचायतों को भी पुरस्कार की अलग-अलग श्रेणियों में शामिल किया गया है।

पूरे प्रदेश में इस विशेष पुरस्कार के लिए 10 ग्राम पंचायतों का चयन किया जाना है। प्रदेश स्तर पर चयनित प्रत्येक ग्राम पंचायत को 50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके बावजूद जिले की 495 ग्राम पंचायतों में से केवल 45 के आवेदन करना योजना के प्रति कम रुचि को उजागर करता है। अब शासन की ओर से बढ़ाई गई अंतिम तिथि तक कितनी पंचायतें आवेदन करती हैं, इस पर सभी की नजर है।

दिवाली से पहले रसोई पर महंगाई की मार, दाल–तेल हुए महंगे

दस दिन में दालों के दाम 15 रुपये किलो तक उछले

सरसों तेल, रिफाइंड और घी महंगा, चीनी भी चढ़ी

यूनिक समय, मथुरा। दिवाली से पहले महंगाई ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ना शुरू कर दिया है। जिले की थोक और फुटकर मंडियों में दलहन और खाद्य तेलों के दामों में तेजी आई है। पिछले दस दिनों में कई प्रमुख दालों के भाव 15 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गए हैं। सरसों का तेल और रिफाइंड भी पांच रुपये किलो महंगे हुए हैं, जबकि देसी घी के दाम में 30 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है।

थाली पर त्योहार का असर

दिवाली की खरीदारी शुरू होने से पहले ही रसोई का खर्च बढ़ने लगा है। उड़द, मूंग, चना दाल, काबुली चना और अरहर के भाव में तेजी आई है। सरसों तेल और रिफाइंड भी महंगे हुए हैं। ऐसे में त्योहार की मिठास से पहले गृहणियों को महंगाई का स्वाद चखना पड़ रहा है।

थोक बाजार के कारोबारियों के अनुसार, आवक और मांग के बीच अंतर के कारण कीमतों में तेजी आई है। कृष्णा नगर के कारोबारी अमित अग्रवाल, विष्णु गर्ग और गोपाल ने बताया कि अरहर, उड़द और मूंग की कीमतों में बढ़ोतरी का असर फुटकर बाजार

दुकान पर बिक्री को रखी दालें।

पर भी दिखाई दे रहा है। त्योहार नजदीक आने के साथ खाद्य सामग्री की मांग बढ़ने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में कीमतों में और उतार–चढ़ाव हो सकता है।

दस दिन पहले उड़द 125 रुपये किलो थी, जो अब 135 रुपये हो गई है। मूंग 85 से बढ़कर 95, चना दाल 75 से 85, काबुली चना 95 से 105 और अरहर की दाल 95 से 105 रुपये किलो पहुंच गई है। सरसों तेल और रिफाइंड 185 से बढ़कर 190 रुपये किलो हो गए हैं। देसी घी भी 540 से बढ़कर 570 रुपये किलो हो गया है। इससे पहले भी दालों पर 15 से 20 रुपये की बढ़ोत्तरी हो चुकी है।

पुरानी दरों की ओर चीनी की वापसी

अगस्त में चीनी के भाव पहली बार 74-75 रुपये किलो तक पहुंच गए थे। अब धीरे–धीरे इसके दाम पुरानी दरों के आसपास आ रहे हैं। सोमवार को चीनी 4880 रुपये क्विंटल बिकी, जबकि दस दिन पहले भाव 4750 रुपये क्विंटल था।

त्योहार में बढ़ा घरेलू खर्च

गृहिणी गौरी मिश्रा ने बताया कि दाल और खाद्य तेल महंगे होने से घर का खर्च बढ़ गया है। अब जरूरी सामान भी सीमित मात्रा में खरीदना पड़ रहा है। अंजना अग्रवाल ने कहा कि त्योहार के समय पहले ही खर्च बढ़ जाता है, ऐसे में दाल, तेल और घी के दाम बढ़ने से रसोई का बजट संभालना मुश्किल हो रहा है।

दस दिन में कितना बढ़ा भाव

दस दिन में उड़द 10, मूंग 10, चना दाल 10, काबुली चना 10 और अरहर 10 रुपये किलो महंगी हुई। सरसों तेल व रिफाइंड में पांच रुपये की तेजी आई। सबसे बड़ा झटका देसी घी ने दिया, जो 540 से बढ़कर 570 रुपये किलो पहुंच गया।

शारदीय नवरात्र में हाथी पर सवार होकर आएंगी मां

11 अक्टूबर से शुरू होंगे नौ दिवसीय नवरात्र पर्व

20 अक्टूबर को मनाया जाएगा विजयादशमी का पर्व

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्र का शुभारंभ रविवार 11 अक्टूबर से होगा। इस बार मां आदिशक्ति हाथी पर सवार होकर भक्तों के बीच आएंगी। धार्मिक मान्यताओं में माता का हाथी पर आगमन शुभ माना गया है। इसे सुख, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। नवरात्र को लेकर मंदिरों, आश्रमों और घरों में तैयारियां शुरू होने लगी हैं।

सनातन धर्म में शारदीय नवरात्र का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक श्रद्धालु व्रत रखकर मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना करेंगे। मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान होंगे, जबकि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पूजा पंडाल सजाए जाएंगे। इनमें मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजन किया जाएगा। महंत गौराग स्वामी के अनुसार, नवरात्र की शुरुआत रविवार या सोमवार से होने पर माता का आगमन हाथी पर माना जाता है। इसे शुभ संकेत माना गया है। आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा रविवार को चित्रा नक्षत्र में घट स्थापना की जाएगी। श्रद्धालु शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना कर मां शक्ति की आराधना करेंगे।

ज्योतिषविद अशोक शर्मा ने बताया कि नवरात्र में अखंड दीप प्रज्वलित कर मां शक्ति स्वरूपा की पूजा करनी चाहिए। श्रद्धा और विधि–विधान से पूजन करने से भक्तों को आध्यात्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। नवरात्र के समापन पर 20 अक्तूबर को दशहरा मनाया जाएगा।

पांच माह में अवैध खनन पर शिकंजा, 13.40 करोड़ जुर्माना

700 से अधिक जेसीबी, ट्रैक्टर–ट्रॉली और ट्रक किए सीज

यूनिक समय, मथुरा। जिले में अवैध खनन पर खनन विभाग ने पांच माह में बड़ी कार्रवाई की है। एक अप्रैल से 31 अगस्त तक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से चलाए अभियान में 700 से अधिक वाहन सीज किए गए। अवैध खनन में इस्तेमाल वाहनों पर कार्रवाई के साथ विभाग ने 13 करोड़ 40 लाख रुपये का जुर्माना भी वसूला है। कई मामलों में खनन माफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

जिले में मिट्टी के साथ यमुना से बालू के अवैध खनन की शिकायतें लगातार मिलती रहती हैं। आरोप है कि खनन माफिया बिना अनुमति के रात के समय जेसीबी से मिट्टी और बालू निकालकर ट्रैक्टर–ट्रॉली व अन्य वाहनों से ले जाते हैं। शिकायतों के आधार पर खनन विभाग ने बल्देव, फरह, नौहझील, जैंत समेत कई थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की।

खनन अधिकारी सुभाष सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान जेसीबी, ट्रैक्टर–ट्रॉली, ट्रक समेत 700 से अधिक वाहन सीज किए गए। अवैध खनन में संलिप्त वाहनों पर नियमानुसार जुर्माना लगाया गया, जिससे 13 करोड़ 40 लाख रुपये की वसूली हुई। कई मामलों में संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई। उन्होंने बताया कि अवैध खनन की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाती है और आगे भी अभियान जारी रहेगा।

एआरटीओ ने एप कैब की मनमानी पर लगाया ब्रेक

एप कैब और डिलीवरी कंपनियों पर अब कसेगा शिकंजा

सेवा शुरू करने से पहले कंपनियों को लाइसेंस लेना होगा

चालकों का सत्यापन, वाहनों की जांच और शिकायत निस्तारण अनिवार्य

यूनिक समय, मथुरा। जिले में एप आधारित कैब, परिवहन और डिलीवरी सेवाओं का संचालन अब तय नियमों के तहत ही किया जा सकेगा। नई व्यवस्था में एग्रीगेटर और वितरण सेवा प्रदाताओं के लिए सेवाएं शुरू करने से पहले लाइसेंस लेना अनिवार्य किया गया है। नियमों का पालन नहीं करने वाली कंपनियों पर कार्रवाई की जाएगी।

एआरटीओ प्रवर्तन राजेश राजपूत ने बताया कि कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म से जुड़े चालकों और वाहनों का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखना होगा।

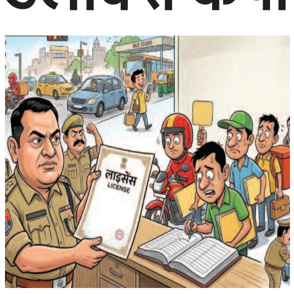

चालकों का आधार और पुलिस सत्यापन कराने के साथ उनके आवश्यक दस्तावेजों का अभिलेख भी रखना अनिवार्य होगा। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के लिए चालकों को प्रशिक्षण भी देना होगा। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक कंपनी को शिकायत निस्तारण के लिए अधिकारी नियुक्त करना होगा। एप पर यात्रा से संबंधित जरूरी जानकारी, कंपनी का संपर्क विवरण, बीमा सुरक्षा और आपातकालीन सहायता की सुविधा उपलब्ध करानी होगी। एप आधारित सेवाओं में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र समेत अन्य वैधानिक दस्तावेजों की नियमित जांच होगी। निर्धारित मानकों का उल्लंघन मिलने पर कंपनी और संबंधित वाहन के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था से यात्रियों की सुरक्षा और सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर रहेगा।

यमुना उतरी तो घाटों पर लौटी रौनक, नाविकों की रोजी अटकी

पितृपक्ष में उमड़े श्रद्धालु यमुना पूजन और अनुष्ठान बढ़े

नाव संचालन सीमित होने से नाविकों के सामने रोजगार संकट

केसी घाट पर बैठे श्रद्धालु और तर्पण करते लोग।

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना का जलस्तर घटने के साथ ही यहां के घाटों की रौनक लौटने लगी है। कई घाट अब पानी से बाहर दिखाई देने लगे हैं। घाटों के नजर आने के साथ श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही भी बढ़ी है। पितृपक्ष के चलते यमुना घाटों पर इन दिनों विशेष चहल-पहल है। श्रद्धालु यमुना पूजन, स्नान और पितरों के निमित्त धार्मिक अनुष्ठान करने पहुंच रहे हैं। घाटों पर बढ़ती भीड़ के बीच नाविकों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही। नाव संचालन प्रभावित होने से उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। यमुना में नावें मौजूद हैं, लेकिन पहले की अपेक्षा बेहद कम संख्या में उनका संचालन हो पा रहा है। घाट पर नाव चलाने की अनुमति नहीं मिलने से नाविक नियमित रूप से यात्रियों को नाव की सवारी नहीं करा पा रहे हैं। नाविकों का कहना है कि पितृपक्ष में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के बावजूद नाव संचालन सीमित है। इससे उनके कारोबार पर सीधा असर पड़ रहा है। कई नाविक रोजाना नाव लेकर घाट पर पहुंचते हैं, लेकिन यात्रियों को नाव में बैठाने का मौका नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में दिनभर घाट पर इंतजार के बाद भी अपेक्षित आमदनी नहीं हो रही।

नाविकों ने उम्मीद जताई कि यमुना का जलस्तर सामान्य होने और घाटों पर नाव संचालन की अनुमति मिलने के बाद उनका कारोबार फिर गति पकड़ेगा। फिलहाल घाटों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती चहल–पहल के बीच नाविक अपने रोजगार को लेकर परेशान हैं।

भजनों से लुभाएंगे अंतरराष्ट्रीय भजन गायक मनीष शर्मा

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला की पूर्व संध्या पर मंगलवार को होगा सुंदरकांड और भजन आयोजन

यूनिक समय, फरह। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला की पूर्व संध्या पर अंतरराष्ट्रीय भजन गायक पंडित मनीष शर्मा श्रद्धालुओं को सुर-लय और भजनों से लुभाएंगे। सुंदरकांड का पाठ भी होगा। चार घंटे के इस आयोजन के दौरान अंत्योदय की धरा पर धर्म की सरिता बयार बहेगी।

मेला समिति के मंत्री मनीष अग्रवाल रावी ने बताया कि दीनदयाल धाम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला का शुभारंभ सात अक्टूबर को कलश यात्रा और हवन के साथ होगा, इससे पहले छह अक्टूबर को सेवा केंद्र परिसर स्थित राधा-कृष्ण के मंदिर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। शाम छह बजे से शुरू होने वाले सुंदर कांड पाठ और भजन कार्यक्रम में उन्होंने श्रद्धालुओं से सहभागिता की अपील की है।

मेला समिति के कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक ने बताया के इसी कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय भजन गायक पंडित मनीष शर्मा भजन प्रस्तुत करेंगे। शाम छह बजे से शुरू होने वाले यह कार्यक्रम रात्रि 10 बजे तक चलेगा। उन्होंने बताया कि चार दिनी स्मृति महोत्सव के लिए मेला परिसर को सजाने का काम अंतिम चरण की ओर है। कार्यक्रम संयोजक अशोक शर्मा, महिपाल सिंह तरकर, सहसंयोजक राजदर्शन पचौरी, सम्राट शुक्ला ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर भजन और सुंदरकांड पाठ का आनंद लेने का अनुरोध किया है।

जनता की समस्याएं प्राथमिकता पर नगर आयुक्त ने अधिकारियों को चेताया

नगर निगम में पार्षदों के साथ बैठक करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन जोन की सफाई व्यवस्था, विकास कार्यों और जनसमस्याओं को लेकर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने सोमवार को वृंदावन के लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन में क्षेत्रीय पार्षदों के साथ बैठक की। बैठक में विभिन्न वार्डों की समस्याओं और विकास की आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

नगर आयुक्त ने पार्षदों से उनके क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम की ओर से कराए जाने वाले विकास कार्य केवल औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनकी गुणवत्ता और स्थायित्व पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि नागरिकों को लंबे समय तक उनका लाभ मिल सके।

उन्होंने वृंदावन की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए पार्षदों और नागरिकों से सहयोग की अपील की। कहा कि नगर निगम के प्रयासों के साथ जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही वृंदावन को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाया जा सकता है। बैठक में सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा, क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी महेश चंद्र, अवर अभियंता निर्माण अरुण सिंह सहित वृंदावन जोन के पार्षद मौजूद रहे।

वृंदावन के सीएफसी चौराहे पर जाम से यातायात व्यवस्था प्रभावित

सीएफसी चौराहे पर जाम में फंसे नागरिक और ई-रिक्शा।

यूनिक समय, वृंदावन। नगर के सीएफसी चौराहे पर जाम की समस्या लगातार बनी रहती है। चौराहे पर जाम लगने का कोई निश्चित समय नहीं है। दिन में कभी भी अचानक वाहनों की भीड़ बढ़ने के साथ यहां जाम की स्थिति बन जाती है।
चारों तरफ से आने वाले टेंपो और अन्य वाहनों के एक साथ चौराहे पर पहुंचने से यातायात का दबाव बढ़ जाता है।

चौराहे पर टेंपो के रुकने और सवारियां बैठाने के कारण वाहनों को निकलने में परेशानी होती है। देखते ही देखते वाहनों की कतार लग जाती है और राहगीरों को भी रास्ता पार करने में दिक्कत होती है। जाम के कारण दोपहिया वाहन चालकों को भी वाहनों के बीच से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। सीएफसी चौराहा वृंदावन के प्रमुख मार्गों से जुड़ा होने के कारण यहां दिनभर वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में जाम लगने पर इसका असर आसपास के मार्गों पर भी दिखाई देता है। कई बार वाहन चालक काफी देर तक जाम में फंसे रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे पर यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित किए जाने की जरूरत है, ताकि अचानक लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिल सके।

दीपावली से पहले सजेगा 11 दिवसीय ब्रज रज उत्सव

धौलीप्याऊ रेलवे मैदान पर देशभर के शिल्प और व्यंजनों का होगा संगम

यूनिक समय, मथुरा। इस बार दीपावली से पहले ब्रज रज उत्सव का आयोजन होगा।

लक्ष्मी नागप्पन

23 अक्टूबर से दो नवंबर तक चलने वाले उत्सव में विभिन्न राज्यों के प्रसिद्ध उत्पाद, शिल्प- हस्तकला के साथ खानपान और मनोरंजन के आकर्षण भी देखने को मिलेंगे। उत्सव का सांस्कृतिक मंच स्थानीय कलाकारों के साथ देश के प्रख्यात कलाकारों की प्रस्तुतियों से सजेगा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि ब्रज रज उत्सव का आयोजन इस बार भी धौली प्याऊ स्थित रेलवे मैदान में होगा। उत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह आयोजन उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, पुलिस, जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि उत्सव स्थल पर शिल्प और हस्तकला से जुड़े उत्पादों को प्रमुखता दी जाएगी, ताकि मथुरा आने वाले पर्यटक और स्थानीय लोग एक ही स्थान पर देश के अलग–अलग हिस्सों की कला और संस्कृति से परिचित हो सकें। इसके अलावा विभिन्न विभाग की स्टॉल भी लगाई जाएंगी।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि ब्रज रज उत्सव में खानपान भी आकर्षण रहेगा। विभिन्न जनपदों के प्रसिद्ध व्यंजनों के साथ इस बार ब्रज के स्थानीय व्यंजनों को विशेष प्राथमिकता देने की तैयारी है।

मनोरंजन के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

उत्सव में बच्चों और परिवारों के लिए झूले समेत विभिन्न मनोरंजन के साधन उपलब्ध रहेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। देश के प्रसिद्ध कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

पहली बार वृंदावन में भी सजेगा सांस्कृतिक मंच

ब्रज रज उत्सव के दौरान वृंदावन में पहली बार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा। स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इससे ब्रज रज उत्सव का दायरा मथुरा से वृंदावन तक और व्यापक होगा।

21 दिन बाद जन्म–मृत्यु पंजीकरण पर बढ़ेगा शुल्क

समय सीमा चूकी तो प्रमाणपत्र के लिए जेब ढीली होगी

दो साल बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर पंजीकरण

यूनिक समय, मथुरा। जन्म या मृत्यु का पंजीकरण समय पर नहीं कराना अब महंगा पड़ेगा। नई व्यवस्था के तहत 21 दिन के भीतर जन्म-मृत्यु का पंजीकरण कराने पर प्रमाणपत्र निशुल्क जारी किया जाएगा। इसके बाद देरी बढ़ने के साथ पंजीकरण शुल्क भी बढ़ता जाएगा। निर्धारित अवधि के बाद आवेदकों को अतिरिक्त शुल्क के साथ लंबी प्रक्रिया से भी गुजरना होगा।

नई व्यवस्था में 21 दिन के बाद 30 दिन के भीतर पंजीकरण कराने पर 20 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। पहले यह शुल्क केवल दो रुपये था। इसी तरह 30 दिन से एक वर्ष के भीतर पंजीकरण कराने पर शुल्क पांच रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये कर दिया गया है। एक से दो वर्ष तक पुरानी घटना के पंजीकरण के लिए 150 रुपये शुल्क देना होगा।

दो वर्ष से अधिक पुरानी जन्म या मृत्यु की घटना का पंजीकरण कराने के लिए आवेदक को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन करना होगा।

मजिस्ट्रेट स्तर से मामले की जांच और उपलब्ध तथ्यों की पुष्टि के बाद आदेश जारी किया जाएगा। इसके बाद संबंधित निकाय में पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

डीपीआरओ धनंजय जायसवाल ने बताया कि नई व्यवस्था का उद्देश्य जन्म और मृत्यु की घटनाओं का समय से सही पंजीकरण सुनिश्चित करना है। इससे अभिलेखों में शुद्धता बनाए रखने के साथ फर्जी प्रमाणपत्र जारी होने की आशंका पर भी अंकुश लगेगा। उन्होंने लोगों से निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीकरण कराने की अपील की, ताकि अतिरिक्त शुल्क और अनावश्यक कानूनी प्रक्रिया से बचा जा सके।

सड़क दुघर्टना में फौजी सहित दो लोगों की मौत

फौजी की बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉला से टकराई

हाइवे पर अनियंत्रित बाइक डिवायडर से टकराई

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह क्षेत्र स्थित परखम पुलिस चौकी तिराहे के समीप अवकाश लेकर आए एक फौजी की बाइक ट्रैक्टर-ट्राला से टकरा गई। दुर्घटना में घायल हुए फौजी की मौत हो गई। वहीं दूसरी दुर्घटना में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एसबीआई बैंक के सामने एक युवक की बाइक अनियंत्रित होकर डिवायडर से टकरा गई। घायल युवक ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया।

थाना फरह के गांव झुड़ावई के रहने वाला युवक सत्यवीर सिंह (29) सेना में जोधपुर राजस्थान में तैनात थे। बताया गया कि वह सेना से अवकाश लेकर घर आए हुए थे। रविवार सायं बाइक से जा रहे थे।

परखम तिराहे के समीप फौजी की बाइक किसी तरह ट्रैक्टर-ट्रॉला से टकरा गई। दुर्घटना में सत्यवीर बुरी तरह से घायल हो गए। जानकारी पर उनको सैनिक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी बीती रात साढ़े ग्यारह बजे उनकी मौत हो गई। सत्यवीर की मौत से परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दूसरी दुर्घटना हाइवे पर हुई। रजनी बिहार बेगमपुर नॉर्थ वेस्ट नई दिल्ली निवासी बंटी (40) पुत्र तुलसीराम बाइक से दिल्ली से आगरा के लिए जा रहा था।

सोमवार दोपहर करीब 12 बजे फरह कस्बा के राष्ट्रीय राजमार्ग पर एसबीआई के सामने तेजगति से दौड़ती बाइक सड़क पर बने डिवायडर से टकरा गई। दुर्घटना में बंटी गंभीर घायल हो गया। बंटी को सीएससी फरह पर लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बंटी के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बंटी के परिवारीजनों को भी उसके साथ हुई दुर्घटना के बारे में सूचना दे दी है।

एक्सप्रेस-वे पर सड़क किनारे सोते टैंकर चालक को पिकअप ने कुचला

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट क्षेत्र स्थित यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन संख्या 85 के समीप टैंकर खड़ा करने के बाद सड़क किनारे सो रहे ड्राइवर को रात में मैक्स पिकअप ने रौंद दिया। हादसे में टैंकरी चालक की मौत हो गई। बताया गया कि चालक सकलेश यादव (40)निवासी नवादा बिहार टैंकर को लेकर दिल्ली से कोलकता के लिए जा रहा था। यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन संख्या 85 के समीप बीती रात करीब 11:30 बजे वह टैंकर को खड़ा करने के बाद रात में सड़क किनारे सो गया। इसी बीच वहां से तेजगति से दौड़ती टाटा पिकअप ने उसे रौंद दिया। दुर्घटना में सकलेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची मांट पुलिस ने चालक के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तारीख पर जाते पिता-पुत्र पर किया हमला

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन के माधुरी कुंड में मुकदमे की तारीख पर जाते पिता-पुत्र को मारपीट कर विपक्षियों ने गंभीर घायल कर दिया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। माधुरी कुंड निवासी निनुआ का 100 वर्ग गज जमीन के प्लाट को लेकर गांव के ही जगदीश के साथ कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। बताया गया निनुआ अपने पुत्र नेत्रपाल और भांजे नारायन सिंह के साथ बाइक से मुकदमे की तारीख करने के लिए कचेहरी के लिए जा रहा था। आरोप है कि गांव से निकलते ही उसके विपक्षियों ने बाइक को रास्ते में रोक लिया और लोहे की रोड आदि से दोनों को बुरी तरह से पीटना शुरू कर दिया। हमलावर दोनों को मरणासन हालत में वहां छोड़ गए। किसी तरह नारायन सिंह ने वहां से भाग कर जान बचाई और परिवार को जानकारी दी। मारपीट में पिता-पुत्र गंभीर घायल हो गए। इस मामले की शिकायत पुलिस से की गई है। घायल पिता-पुत्र का जिला हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

22 पव्वा देशी शराब के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार पुलिस ने अभियुक्त शहजाद निवासी प्रतापनगर को चेकिंग के दौरान दूधारी फाटक पानी गांव मोड़ के पास गिरफ्तार कर उसके पास से 22 पव्वे देशी शराब के बरामद किए हैं।

लोकतंत्र और संविधान बचाने की एकमात्र उम्मीद कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी की प्रेसवार्ता में बोलते पं. श्यामसुंदर शर्मा।

कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा बोले

जिला कांग्रेस कार्यालय पर हुआ स्वागत समारोह

यूनिक समय, मथुरा। जिला कांग्रेस कार्यालय सेठबाड़ा पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से हुई प्रेसवार्ता में चुनावी धांधली और प्रशासनिक दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठाने के दौरान आगरा जेल में बंद रहे कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं का स्वागत-अभिनंदन किया गया। राजनीति के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा का कांग्रेस में शामिल होने पर स्वागत किया गया।

जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनता के जनमत की कथित वोट चोरी और चुनावी धांधली के विरोध में शांतिपूर्ण-लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दमनकारी तरीके से जेल भेजा गया था। आगरा जेल में बंद रहे युवा कार्यकर्ताओं की सकुशल रिहाई पर उनका स्वागत किया गया।

इस मौके पर पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने की एकमात्र उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के विरोध में कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने जेल जाकर यह साबित किया है कि कांग्रेस का कार्यकर्ता डरने वाला नहीं है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि उनके अनुभव और कार्यकर्ताओं के जोश से मिलकर अहंकारी सत्ता को जवाब दिया जाएगा।

इस मौके पर राजन पाठक, आदित्य तिवारी, अप्रतिम सक्सेना, प्रवीण ठाकुर, रूपा लवानिया, रमेश कश्यप, विपुल पाठक, उमाशंकर शर्मा, अर्पित जादौन, अनाम धन्य तिवारी, दुर्गेश बघेल, महेश चौबे, रवि वाल्मीकि, संदीप हिंडोल, हरिओम उपाध्याय, मोनू कुरैशी, हाशिम हुमेर, यतीश उपमन्यु, अनूप गौतम, अमित कुमार, कासिम गाजी, लोकेंद्र यादव आदि मौजूद रहे। संचालन पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि ने किया।

सांझी महोत्सव का शुभारंभ मंगलवार को

यूनिक समय, गोकुल । उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं जीएलए विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय सांझी महोत्सव का शुभारंभ मंगलवार प्रातः 11 बजे होगा। रसखान समाधि परिसर में 10 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले महोत्सव में सांझी कला की विभिन्न विधाओं के साथ कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

महोत्सव के पहले दिन 6 अक्टूबर को माधव मिश्र एवं राघव मिश्र बंधु सांझी गीत और रसखान पद गायन की प्रस्तुति देंगे। शुभारंभ समारोह में जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनूप गुप्ता, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के एसीईओ राजीव पांडेय, गोकुल के चेयरमैन संजय दीक्षित और महावन के चेयरमैन मंजूदेवी सहित अन्य अतिथि मौजूद रहेंगे। सहभागिता के इच्छुक कलाकार एवं अन्य लोग अनुपम यादव से मोबाइल नंबर 8979837572 पर संपर्क कर सकते हैं।

त्योहारों से पहले बिजलीघरों की जांच दो दिन छह घंटे कटौती

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए विद्युत विभाग दो उपकेंद्रों पर टेस्टिंग और स्विचयार्ड के रखरखाव का कार्य करेगा। इसके चलते 6 और 7 अक्टूबर को कई क्षेत्रों में छह घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। 6 अक्टूबर को 33/11 केवी उपकेंद्र पानीगांव पर सुबह 11 से शाम पांच बजे तक टेस्टिंग और स्विचयार्ड रखरखाव होगा। इस दौरान पानीगांव, दीवाना कला, भूतिया, वृंदावन-पानीगांव मार्ग और सिद्धार्थ नगर की बिजली बंद रहेगी। 7 अक्टूबर को 33/11 केवी उपकेंद्र लक्ष्मीनगर पर सुबह 11 से शाम पांच बजे तक काम होगा। इसके चलते लक्ष्मीनगर टाउन, लोहवन, राया रोड और बलदेव रोड क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

मकान की ऊपरी मंजिल के कमरे में लगी आग

कमरे से उठता तेज धुंआ

आग लगने के बाद मौके पर एकत्रित स्थानीय लोग।

इलाके में मचा रहा हड़कंप फायर ब्रिगेड ने तीन घंटे में आग पर पाया काबू

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित मंडी चौराहा के समीप स्थित एक मकान में बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग से इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने करीब तीन घंटे में आग पर काबू पाया।

मंडी चौराहे के समीप आशु अग्रवाल का मकान है। दो मंजिल बने मकान के ऊपर बने कमरों में बीती रात कोई नहीं था। बताया गया कि बिजली के शॉर्ट सर्किट से कमरों में आग लग गई। आग की तेज लपटों को उठता देख इलाके में हड़कंप मच गया।

काफी संख्या में स्थानीय लोग आग को बुझाने में जुट गए। फायर ब्रिगेड और पुलिस को भी आग लगने की सूचना दी गई। मौके पर पुलिस पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने आकर करीब तीन घंटे में आग पर काबू किया। आशु अग्रवाल ने बताया कि ऊपर के कमरों में कोई नहीं सो रहा था। कमरे में लगी आग से वहां रखा सामान पूरी तरह से जल गया। आग से करीब 25 से 30 हजार रुपये का सामान जल गया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

घटनाओं का असर, केली कुंज की रौनक घटी और थमा कारोबार

सोमवार को केली कुंज आश्रम के बाहर सूनी पड़ी दुकान।

श्रद्धालुओं की संख्या कम होने से दुकानों पर घटे ग्राहक

चाय-नाश्ते से प्रसाद तक कारोबारियों के सामने बढ़ी मुश्किल

यूनिक समय, वृंदावन। श्री राधा केली कुंज आश्रम के आसपास पिछले कुछ दिनों में सामने आई घटनाओं का असर अब क्षेत्र की चहल-पहल और कारोबार पर दिखाई देने लगा है। आश्रम से जुड़े शिष्य की मौत और लापता लोगों से जुड़े मामलों के सामने आने के बाद क्षेत्र में पहले जैसी भीड़ नजर नहीं आ रही है। इसका सीधा असर आसपास के छोटे कारोबार पर पड़ रहा है।

केली कुंज क्षेत्र में चाय-नाश्ता, प्रसाद, फूल-माला, धार्मिक सामग्री और अन्य सामान की बड़ी संख्या में दुकानें संचालित होती हैं। इन दुकानों का कारोबार यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पर निर्भर रहता है। पहले आश्रम के आसपास दर्शन और पदयात्रा के दौरान देर रात तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती थी। इससे दुकानदारों को भी अच्छी बिक्री होती थी। अब नियमित पदयात्रा और दर्शन नहीं होने के साथ हाल की घटनाओं का असर भी क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। कई दुकानों पर ग्राहक पहले की तुलना में कम पहुंच रहे हैं। बिक्री घटने के कारण दुकानदारों के सामने किराया, बिजली और अन्य खर्च निकालने की चुनौती खड़ी हो गई है। भीड़ कम होने का सबसे अधिक असर चाय-नाश्ते और छोटे कारोबार से जुड़े दुकानदारों पर पड़ा है। दुकानदारों का कहना है कि श्रद्धालुओं की आवाजाही पूरी तरह बंद नहीं हुई है, लेकिन पहले जैसी भीड़ और रौनक नहीं रही। कारोबारियों को उम्मीद है कि हालात सामान्य होने के साथ श्रद्धालुओं का भरोसा भी कायम होगा और केली कुंज क्षेत्र में फिर से चहल-पहल लौटेगी।

पहेली बनी दुलारी शरण की मौत

हर दिन सामने आ रहे वीडियो जांच पर उठ रहे सवाल

100 से अधिक लोगों से पूछताछ, फॉरेंसिक टीम जुटी पड़ताल में

यूनिक समय, मथुरा। संत प्रेमानंद के शिष्य दुलारी शरण उर्फ दीपक लोधी की मौत को 11 दिन बीत चुके हैं, लेकिन घटना का कारण अभी भी रहस्य बना हुआ है। 25 सितंबर को वृंदावन स्थित केली कुंज आश्रम की चौथी मंजिल से गिरने से उनकी मौत हुई थी। घटना के बाद से इंटरनेट मीडिया पर लगातार नए वीडियो सामने आ रहे हैं, जिससे मामले को लेकर चर्चाएं और सवाल दोनों बढ़ते जा रहे हैं। दुलारी शरण को संत प्रेमानंद से दीक्षा लिए करीब दो वर्ष ही हुए थे। घटना से पहले उनके साथ आश्रम में क्या हुआ, यह सवाल अब भी अनुत्तरित है। बताया गया कि उन्होंने कथित रूप से अपना लिंग काटने के बाद चौथी मंजिल से छलांग लगाई थी। इस असामान्य घटनाक्रम ने मौत की परिस्थितियों को लेकर संदेह और गहरा दिया है। पुलिस अब तक 100 से अधिक लोगों से पूछताछ कर चुकी है। फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों की विभिन्न कोणों से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। वहीं, 11 दिन बाद भी जांच किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंची है।

शिष्य की मौत के बाद केलीकुंज आश्रम में गुटबाजी की चर्चा तेज

आश्रम से जुड़े लोगों में मतभेद की चर्चाओं ने पकड़ा जोर

पुलिस जांच जारी सीसीटीवी फुटेज और साक्ष्यों की पड़ताल

यूनिक समय, वृंदावन। संत प्रेमानंद के शिष्य रसिक दुलारी शरण की मौत के बाद श्रीराधा केलीकुंज आश्रम से जुड़े विवाद ने फिर तूल पकड़ लिया है। आश्रम से जुड़े लोगों के बीच मतभेद और दो गुट होने की चर्चाएं सामने आ रही हैं। हालांकि इन चर्चाओं की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बताया जा रहा है कि आश्रम से जुड़े लोगों के बीच साधना और आध्यात्मिक परंपरा के साथ आश्रम की व्यवस्थाओं और अन्य गतिविधियों को लेकर मतभेद की बातें सामने आ रही हैं। इसी बीच संत प्रेमानंद के आश्रम से अलग स्थान पर चले जाने की चर्चा भी है। उधर, रसिक दुलारी शरण की मौत के मामले में पुलिस की जांच जारी है। घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। मौत की परिस्थितियों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच जांच एजेंसियां विभिन्न पहलुओं को खंगाल रही हैं। अनुयायियों का कहना है कि मामले की वास्तविक स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

नवरात्रि की आहट, कलाकारों के हाथों में देवी प्रतिमाओं का आकार

देवी मां की मूर्ति तैयार करता कलाकर उमाशंकर।

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्रि की आहट के साथ ही कान्हा की नगरी में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं आकार लेने लगी हैं। अंबाखार सहित जिले के कई क्षेत्रों में मूर्ति कलाकार इन दिनों अपने हाथों से प्रतिमाओं को तैयार करने में जुटे हैं। कोई मिट्टी और पीओपी से प्रतिमा का ढांचा तैयार कर रहा है तो कोई उसमें रंग भरकर उसे आकर्षक रूप देने में लगा है। नवरात्रि के लिए प्रतिमाओं की बुकिंग भी शुरू हो गई है। अलग-अलग आकार और डिजाइन की प्रतिमाओं की कीमत 100 रुपये से शुरू होकर 12 हजार रुपये तक है। अंबाखार में इन दिनों मूर्ति बनाने वाले कलाकारों के यहां काम तेजी से चल रहा है। कहीं प्रतिमाओं की पेंटिंग हो रही है तो कहीं उनकी सजावट का काम चल रहा है। मूर्ति कलाकार उमाशंकर ने बताया कि पिछले सप्ताह से प्रतिमाओं की बुकिंग शुरू हो गई है। अभी ग्राहक प्रतिमाएं खरीदने के लिए नही आ रहे हैं,अधिकतर लोग अपनी पसंद की प्रतिमा की बुकिंग करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्राद्ध पक्ष में लोग मूर्तियों की खरीदारी नहीं करते हैं। श्राद्ध खत्म होने के बाद नवरात्रि की खरीदारी होगी। उन्होंने बताया कि बाजार में अब मिट्टी की प्रतिमाएं कम दिखाई दे रही हैं। उनकी जगह पीओपी से बनी प्रतिमाओं की मांग बढ़ रही है। मिट्टी की प्रतिमा तैयार करने में अधिक मेहनत और समय लगता है। साथ ही लागत भी अधिक आती है, जिसके कारण मिट्टी की प्रतिमाएं महंगी पड़ती हैं। यही वजह है कि ग्राहक पीओपी की प्रतिमाओं को अधिक पसंद कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रतिमाएं बनाने के लिए पीओपी बीकानेर से मंगाई जाती है। पीओपी आने के बाद कलाकार उससे अलग-अलग आकार की प्रतिमाएं तैयार करते हैं।

गोकुल की बेटी ने थाईलैंड में बढ़ाया ब्रज का गौरव

अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में डॉ. अंजना विचार व्यक्त करती।

'संस्कृत रत्न सम्मान' से सम्मानित हुईं ब्रज की विदुषी

यूनिक समय, मथुरा। गोकुल की बेटी डॉ. अंजना तिवारी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर ब्रज का गौरव बढ़ाया है। थाईलैंड के बैंकॉक स्थित सिल्पाकॉर्न विश्वविद्यालय में 28 से 30 सितंबर तक आयोजित वैश्विक संस्कृत सम्मेलन में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में विभिन्न देशों के संस्कृत विद्वानों, शोधार्थियों और भारतीय ज्ञान परंपरा के विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा : संस्कृतियों और ज्ञान परंपराओं के बीच एक सेतु रहा। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत साहित्य, दर्शन और संस्कृति से जुड़े विषयों पर शोध प्रस्तुत किए गए। डॉ. अंजना तिवारी का शोधपत्र 'कथा परंपराएं और दार्शनिक विमर्श : भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में भागवत पुराण में कपिल और देवहूति का संवाद' स्वीकार किया गया। उन्होंने शोधपत्र प्रस्तुत कर भारतीय ज्ञान परंपरा के दार्शनिक चिंतन और संस्कृत साहित्य की समृद्ध विरासत को अंतरराष्ट्रीय विद्वानों के समक्ष रखा। संस्कृत भाषा, भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा के प्रचार-प्रसार में योगदान के लिए उन्हें 'संस्कृत रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। डॉ. अंजना वर्तमान में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के संस्कृत, पालि और प्राकृत विभाग में सहायक आचार्य हैं। वह अपने गांव से पीएचडी करने वाली पहली महिला भी हैं। डॉ. अंजना ने उपलब्धि का श्रेय गुरुजनों, माता-पिता और परिवार को दिया। उनकी सफलता से गोकुल और ब्रज में हर्ष है।

नए सीसीटीवी फुटेज से शिष्य की मौत पर उठे सवाल

सीढ़ियों के सहारे छत की ओर जो संत रसिक दुलारी। साभार इंटरनेट मीडिया।

वीडियो सामने आने के समय और मकसद को लेकर चर्चाएं तेज

फुटेज में छत की ओर जाते और नीचे गिरते दिखे रसिक

यूनिक समय, वृंदावन। संत प्रेमानंद के शिष्य रसिक दुलारी शरण उर्फ दीपक लोधी की मौत का मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसी बीच घटना से जुड़े नए सीसीटीवी फुटेज अलग-अलग समाचार माध्यमों पर सामने आने के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि फुटेज अब कौन सामने ला रहा है और इन्हें सार्वजनिक करने का मकसद क्या है। फुटेज में रसिक दुलारी शरण आश्रम की सीढ़ियों से ऊपर जाते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद के दृश्यों में वह छत की ओर जाते और फिर नीचे गिरते नजर आते हैं। रिपोर्टों में एक अन्य साधु के सीढ़ियों की ओर आने की बात भी सामने आई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या इन फुटेज के जरिए घटना को आत्महत्या के रूप में दिखाने की कोशिश की जा रही है या वीडियो में घटनाक्रम का कोई दूसरा पहलू भी छिपा है।

यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि यदि फुटेज पहले से उपलब्ध था तो इसे अब अलग-अलग माध्यमों तक क्यों पहुंचाया जा रहा है। क्या पुलिस के पास सभी फुटेज मौजूद हैं और क्या उनकी जांच से घटनाक्रम की तस्वीर साफ हो रही है। फिलहाल पुलिस जांच जारी है।

श्राद्ध में बदली रीत, घर के पकवानों की जगह बाजार का भोजन

समय की कमी से घर में पकवान बनाने की परंपरा पड़ रही धीमी

कचौड़ी, पूड़ी-सब्जी और मिठाई खरीदकर ब्राह्मणों तक पहुंचा रहे लोग

यूनिक समय, मथुरा। बदलती जीवनशैली के साथ श्राद्ध कर्म से जुड़ी परंपराओं में भी बदलाव दिखाई देने लगा है। कभी श्राद्ध के दिनों में घरों में तरह-तरह के पकवान तैयार किए जाते थे। ब्राह्मणों को घर बुलाकर विधि-विधान से भोजन कराया जाता और इसके बाद दान-दक्षिणा दी जाती थी।

अब व्यस्त दिनचर्या के चलते कई परिवार इस परंपरा को नए तरीके से निभा रहे हैं। श्राद्ध पक्ष में अब अनेक परिवार घर पर पकवान बनाने के बजाय बाजार से तैयार भोजन और खाद्य सामग्री खरीदकर ब्राह्मणों के घर पहुंचा रहे हैं। कचौड़ी, इमरती, पूड़ी-सब्जी, मिठाई और अन्य पकवान बाजार से खरीदे जा रहे हैं। श्रद्धालु इन्हें अपनी सामर्थ्य और श्रद्धा के अनुसार दान कर रहे हैं। श्राद्ध पक्ष के दौरान इसका असर बाजार में भी दिखाई दे रहा है। मिठाई और नमकीन की दुकानों के साथ हलवाईयों की दुकानों पर तैयार पकवान खरीदने वालों की आवाजाही बढ़ी है। परिवारों का कहना है कि भागदौड़ भरी दिनचर्या में बड़ी मात्रा में पकवान तैयार करने के लिए समय निकालना मुश्किल हो गया है।

ऐसे में बाजार से भोजन खरीदकर परंपरा निभाना आसान विकल्प बन गया है। वहीं, इस बदलाव का एक कारण ब्राह्मणों के घर-घर जाकर श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने की परंपरा का कम होना भी बताया जा रहा है। कई स्थानों पर ब्राह्मण स्वयं घर-घर जाकर भोजन करना पसंद नहीं करते। ऐसे में लोग भोजन और पकवान उनके घर पहुंचाकर पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। समय बदला है, तरीका बदला है, लेकिन लोगों की श्रद्धा और दान की भावना अब भी कायम है। इस चलन को लेकर आचार्य पं. गोविंद का कहना है कि श्राद्ध भाव से होता है, ऐसा करने वाले केवल औपचारिकता ही निभा रहे हैं।

दो अभियुक्त गिरफ्तार, दो देशी तमंचे मिले

यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से दो लोगों को अवैध देशी तमंचे- कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है पुलिस ने चेकिंग के दौरान हरीधाम कॉलोनी के पास पानीगांव से अभियुक्त सूरज उर्फ सज्जू को गिरफ्तार कर उसके पास से देशी तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं। वहीं पुलिस ने अंकुर निवासी मौहल्ला सादात बिजली घर के समीप थाना जलेसर जिला एटा को महेंद्र सिंह पार्क से नगला कोल्हू को जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा कारतूस बरामद किए हैं।

गांजे के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार पुलिस ने तिवारीपुरम रेलवे पुल के समीप से अभियुक्त संजय निवासी मौहल्ला काजी की सराय अतरौली, अलीगढ़ को जो कि सुखदेवपुर में किराए के मकान में रह रहा था गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 583 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है।

जीएलए ग्रेटर नोएडा कैंपस और नोएटिक लॉजिस्टिक्स के मध्य एमओयू साइन

जीएलए विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा कैंपस में एमओयू साइन के दौरान प्रतिकुलपति प्रो. दिवाकर भारद्वाज। साथ हैं संस्था के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा कैंपस ने नोएटिक लॉजिस्टिक्स के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू का उद्देश्य उद्योग शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करना और अनुप्रयुक्त शोध, नवाचार, कौशल विकास और व्यावहारिक अनुभव आधारित शिक्षा के लिए नए अवसर तैयार करना है।

एमओयू के तहत विद्यार्थियों और शिक्षकों को सप्लाई चेन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स और बिजनेस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अनुसंधान-विकास से जुड़ी पहलों में सहभागिता का अवसर मिलेगा। यह साझेदारी शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करने के साथ विद्यार्थियों को समकालीन व्यावसायिक कार्यप्रणालियों और वास्तविक चुनौतियों से परिचित कराने पर केंद्रित है।

नोएटिक लॉजिस्टिक्स तकनीकी संसाधन, उद्योग विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, पेशेवर अनुभव और चिन्हित पहलों के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। वहीं जीएलए यूनिवर्सिटी संकाय के नेतृत्व में विद्यार्थी अनुसंधान टीमों का गठन करेगा। प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए आवश्यक शैक्षणिक और कम्प्यूटेशनल ढांचा उपलब्ध कराएगा। शोध गतिविधियों की प्रगति की निगरानी और समयबद्ध-परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए एक संरचित समीक्षा व्यवस्था भी अपनाई जाएगी।

जानकारी देते हुए प्रतिकुलपति प्रो. दिवाकर भारद्वाज ने कहा कि इस साझेदारी के अंतर्गत जीएलए यूनिवर्सिटी और नोएटिक लॉजिस्टिक्स संयुक्त शोध परियोजनाओं, विद्यार्थी इंटर्नशिप, फैकल्टी कंसल्टेंसी असाइनमेंट, प्रोटोटाइप विकास और कंपनी की ओर से उपलब्ध कराए जाने वाले रियल-टाइम प्रोजेक्ट्स पर मिलकर कार्य करेंगे। इसके साथ ही इंडस्ट्री आधारित कार्यशालाएं, सेमिनार, मेंटरिंग सत्र और विद्यार्थियों को चिन्हित व्यावसायिक समस्याओं पर शैक्षणिक और उद्योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में कार्य करने के अवसर भी मिलेंगे। विद्यार्थियों को कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए रियल-टाइम प्रोजेक्ट्स पर फैकल्टी मेंटर्स असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. डॉली गौर और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चंचल के मार्गदर्शन और मेंटरशिप में कार्य करने का अवसर मिलेगा।

साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू प्रतिभागी विद्यार्थी शोधकर्ताओं और फैकल्टी मेंटर्स के लिए मासिक स्टाइपेंड का प्रावधान भी है। इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों की उद्योगोन्मुखी शोध में निरंतर भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा, उन्हें सार्थक पेशेवर अनुभव प्राप्त होगा।

एमओयू पर जीएलए यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा कैंपस की ओर से प्रतिकुलपति प्रो. दिवाकर भारद्वाज और नोएटिक लॉजिस्टिक्स की ओर से डायरेक्टर सर्वार्थ कंचन ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान डीन आईबीएम प्रो. संजय रस्तोगी और डायरेक्टर पीयूष वैष भी उपस्थित रहे।

डायरेक्टर सर्वार्थ कंचन ने कहा कि यह सहयोग जीएलए यूनिवर्सिटी के शोध आधारित शिक्षा, व्यावहारिक अनुभव आधारित सीखने और सार्थक उद्योग सहभागिता पर केंद्रित प्रयासों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसके माध्यम से विद्यार्थी और शिक्षक समकालीन व्यावसायिक चुनौतियों पर कार्य करते हुए शैक्षणिक ज्ञान को व्यावहारिक-उद्योग-प्रासंगिक परिणामों में बदलने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

मौसम बदला तो अस्पताल में उमड़ी मरीजों की भीड़

सोमवार को जिला अस्पताल में पर्चा बनवाने को लाइन में लगे मरीज और तीमारदार।

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में बदलाव का असर जिला अस्पताल की ओपीडी में दिखाई देने लगा है। रविवार अवकाश के बाद सोमवार को अस्पताल खुलते ही पंजीकरण काउंटर पर मरीजों की लंबी कतार लग गई। फिजीशियन कक्ष के बाहर भी मरीज अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। सामान्य दिनों में करीब 180 मरीजों की ओपीडी रहती है, जबकि सोमवार को संख्या 200 के पार पहुंच गई।

फिजिशियन डॉ. रवि माहेश्वरी के अनुसार, करीब 80 मरीज सर्दी, जुकाम, खांसी और गले की परेशानी लेकर पहुंचे। सांस संबंधी समस्या के

सोमवार को फिजीशियन की ओपीडी 200 के पार पहुंची

वायरल संक्रमण के साथ सांस और अन्य रोगी भी बढ़े

करीब 35, रक्तचाप के 25, घबराहट और बेचैनी के 25 और मधुमेह से जुड़े करीब 25 मरीजों ने उपचार कराया। करीब 20 अन्य मरीज अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर पहुंचे।

अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों में गले में खराश, नाक बहना, खांसी, बुखार और कमजोरी की शिकायत अधिक देखने को मिल रही है। सुबह-शाम हल्की ठंडक और दिन में गर्मी के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। डॉ. माहेश्वरी ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पर्याप्त साफ पानी पिएं और ठंडे पेय पदार्थों से बचें। खांसी-छींक के समय नाक-मुंह ढकें। बिना चिकित्सकीय सलाह दवा न लें। तेज बुखार, सांस में परेशानी, सीने में दर्द या अत्यधिक कमजोरी होने पर चिकित्सक से संपर्क करें।

जिला अस्पताल में ईएनटी विशेषज्ञ की कुर्सी एक माह से खाली

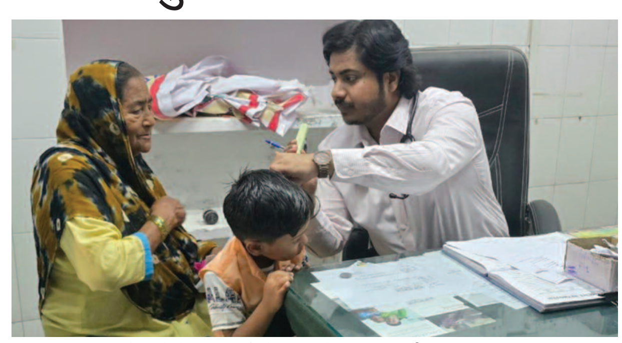

जिला अस्पताल में बच्चे के कान को चेक करते डॉ. सिद्धार्थ धनगर।

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ की कुर्सी करीब एक माह से खाली है। विशेषज्ञ के सेवानिवृत्त होने के बाद से मरीजों को इसकी कमी महसूस होने लगी है। रोजाना ईएनटी से जुड़ी समस्या लेकर पहुंचने वाले मरीजों की सामान्य जांच और उपचार तो किया जा रहा है, लेकिन ऑपरेशन की जरूरत वाले मरीजों को सौ शैया अस्पताल वृंदावन रेफर किया जा रहा है।

जिला अस्पताल में कान दर्द, सुनने में परेशानी, नाक बंद होने और गले से जुड़ी शिकायत लेकर बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं। सामान्य मरीजों को चिकित्सक देखकर उपचार दे रहे हैं। वहीं विशेषज्ञ की सलाह या शल्य चिकित्सा की आवश्यकता वाले मरीजों को आगे भेजना पड़ रहा है। इससे ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है।

सेवानिवृत्ति के बाद सामान्य मरीजों की जांच जारी, ऑपरेशन रेफर

ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को जाना पड़ रहा है वृंदावन

डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने बताया कि सामान्य मरीजों को देखा जा रहा है, जबकि ऑपरेशन की जरूरत वाले मरीजों को रेफर करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि ईएनटी विशेषज्ञ के सेवानिवृत्त होने के बाद कोई न कोई चिकित्सक मरीजों को देख रहा है। सामान्य जांच और उपचार जारी है। ऑपरेशन की आवश्यकता वाले मरीजों को सौ शैया अस्पताल, वृंदावन भेजा जा रहा है, ताकि उनका उपचार प्रभावित न हो।

नीरज गौतम ने जेल में परखी व्यवस्थाएं

यूनिक समय, मथुरा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग, उप्र की सदस्य नीरज गौतम ने सोमवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन, साफ-सफाई, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सीसीटीवी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर बंदियों से समस्याएं जानीं। अधिकारियों को समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण कराने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग निरीक्षण भवन में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्होंने आवंटित पट्टों को कब्जामुक्त कराने, गरीबों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, एससी-एसटी बस्तियों में सोलर लाइट लगाने के निर्देश दिए। सभी पात्रों के आयुष्मान कार्ड बनवाने और पेट्रोल पंपों पर अग्निशमन उपकरण, स्वच्छ शौचालय व टायर में हवा भरने की सुविधा सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने वृक्षारोपण लक्ष्य पूरा करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और युवाओं को समय से ऋण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

बैठक में डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल, एसडीएम मोहित कुमार, परियोजना निदेशक अरुण कुमार उपाध्याय, सीओ धर्मेंद्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू, डीआईओएस राघवेंद्र सिंह, बीएसए रतन कीर्ति, उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। नीरज गौतम ने बालिका छात्रावास और वृद्धाश्रम का भी निरीक्षण किया।

तकनीकी ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल जरूरी: सुंदरम गौड़

छात्र-छात्राओं को सूचना प्रौद्योगिकी और तकनीकी क्षेत्र में उपलब्ध करियर की संभावनाओं की जानकारी देते हुए सुंदरम गौड़।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (आरएटीएम) में बीसीए पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। बीसीए विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ इंफ्रा स्ट्रक्चर विंडोज सर्वर इंजीनियर और आरएटीएम के पूर्व छात्र सुंदरम गौड़ ने विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में करियर की संभावनाओं और आवश्यक कौशलों की जानकारी दी।

सुंदरम गौड़ ने अपने छात्र जीवन से लेकर आईबीएम में कार्य करने और वर्तमान में एनसीआर वॉयिक्स में सेवाएं देने तक के अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने कहा कि तकनीकी क्षेत्र में सफलता केवल किताबी ज्ञान से संभव नहीं है। इसके लिए निरंतर सीखने की आदत, आत्मविश्वास, मेहनत और व्यावहारिक ज्ञान जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से बदलती तकनीकी दुनिया के अनुरूप खुद को तैयार करने और कौशल विकसित करने का आह्वान किया।

उन्होंने वर्चुअलाइजेशन, वीएमवेयर समेत आधुनिक तकनीकों की उपयोगिता और रोजगार के क्षेत्र में इनके महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही संचार कौशल, आत्मविश्वास और व्यावहारिक सोच विकसित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में संवादात्मक गतिविधियां और प्रश्नोत्तरी भी हुईं, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि कक्षा के

आरएटीएम में बीसीए विद्यार्थियों को तकनीकी करियर का मिला मार्गदर्शन

निरंतर सीखने आत्मविश्वास और संचार कौशल पर दिया जोर

सैद्धांतिक ज्ञान के साथ उद्योग विशेषज्ञों का मार्गदर्शन विद्यार्थियों के लिए जरूरी है। इससे उन्हें कार्यक्षेत्र की चुनौतियों को समझने में मदद मिलती है। चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के दौर में तकनीकी ज्ञान के साथ प्रभावी संचार, आत्मविश्वास और व्यावहारिक सोच भी सफलता के लिए आवश्यक हैं। विशेषज्ञों के अनुभव विद्यार्थियों को नई तकनीक सीखने और करियर को मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं।

बिजली का खंभा टूटने से शंकर विहार क्षेत्र में घंटों गुल रही बिजली

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर बिजलीघर क्षेत्र की शंकर विहार क्षेत्र की सोमवार को बिजली का खंभा टूटने के कारण घंटों बिजली गुल रही। सायं करीब 3:30 बजे बिजली आपूर्ति बंद होने के बाद कॉलोनी के लोग काफी देर तक बिजली आने का इंतजार करते रहे। गर्मी के बीच बिजली नहीं आने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली जाने के बाद उन्होंने संबंधित बिजलीघर के अधिकारियों को फोन कर आपूर्ति बंद होने का कारण जानने का प्रयास किया, लेकिन कृष्णानगर बिजलीघर के एसडीओ ने फोन रिसीव नहीं किया। इससे लोगों को बिजली कब तक आएगी और

गर्मी में परेशान रहे लोग, जानकारी के लिए फोन करते रहे उपभोक्ता, एसडीओ ने नहीं उठाया फोन

आपूर्ति क्यों बंद है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। उपभोक्ता लगातार बिजली आने का इंतजार करते रहे। स्थानीय लोगों के अनुसार बिजली का खंभा टूटने के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई थी। वहीं, इस संबंध में मुख्य अभियंता राजीव गर्ग से फोन पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति बाधित होने का कारण पता कराया जाएगा।

छह घंटे अंधेरे में काली का रूप, हजारों कंठों से गूंजता जय मां काली

काली स्वरूप, जिसे देखने को उमड़ती है श्रद्धा।

यूनिक समय, कोसीकलां। एक तरफ हाथ में एमबीए की डिग्री और दूसरी ओर सिर पर मां काली का भारी मुकुट। आधुनिक दौर में जहां युवा पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी और करियर की तलाश में रहते हैं, वहीं कोसीकलां के बल्देवगंज रामनगर निवासी 28 वर्षीय नितेश भारद्वाज ने भक्ति और परंपरा को अपना रास्ता बनाया है। कोसीकलां के दशहरा मेले में मां काली का स्वरूप धारण करने वाले नितेश की कहानी आस्था, अनुशासन और साधना से जुड़ी है। नितेश ने एमबीए तक पढ़ाई की है, लेकिन उनका बचपन से ही मां काली का स्वरूप धारण करने का शौक था। वर्ष 2018 में शुरू हुआ यह सिलसिला अब उनकी साधना का हिस्सा बन चुका है। वह बताते हैं कि काली का स्वरूप धारण करना उनके लिए केवल अभिनय या किरदार निभाना नहीं, बल्कि मां की सेवा और तपस्या है। काली का स्वरूप धारण करने की तैयारी करीब दो माह पहले शुरू हो जाती है। इस दौरान वह ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं, सात्विक भोजन लेते हैं, मां का अखंड जाप करते हैं और नियमित रूप से कसरत करते हैं। इसका कारण काली का भारी

काली स्वरूप बनने वाला नितेश भारद्वाज।

श्रृंगार है। मुकुट, तलवार और विशेष वस्त्र समेत पूरे श्रृंगार का वजन करीब 30 किलोग्राम होता है। इतने वजन के साथ घंटों चलना और नृत्य करना आसान नहीं है। इस परंपरा का सबसे रोमांचक पहलू काली की सवारी है। काली मंदिर से भरत मिलाप चौक तक करीब छह घंटे के सफर में नितेश के चेहरे पर मुखौटा रहता है, जिसके कारण उन्हें सामने का दृश्य दिखाई नहीं देता। वह अपने साथ चलने वाले चार भैरवों, चार लांगुरों और श्रृंगारी के

नौकरी की चमक छोड़ी बचपन के शौक को बना लिया मां की साधना

एमबीए की डिग्री बक्से में, सिर पर 30 किलो का काली श्रृंगार

इशारों के सहारे आगे बढ़ते हैं। नितेश कहते हैं कि काली का स्वरूप धारण करते ही उन्हें शरीर में अलग तरह की शक्ति का अनुभव होता है। 30 किलो का भार और आंखों के सामने छाया अंधेरा भी उस समय महसूस नहीं होता। उन्हें लगता है कि मां स्वयं उन्हें अपने धाम तक लेकर जा रही हैं। कोसीकलां की ऐतिहासिक रामलीला में नितेश से पहले अवधेश, दीपक, हरिओम, विजय और नितरा बाबा जैसे कलाकार भी मां काली का स्वरूप निभा चुके हैं। अब नितेश इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। नृत्य करना आसान नहीं है। इस परंपरा का सबसे रोमांचक पहलू काली की सवारी है। काली मंदिर से भरत मिलाप चौक तक करीब छह घंटे के सफर में नितेश के चेहरे पर मुखौटा रहता है, जिसके कारण उन्हें सामने का दृश्य दिखाई नहीं देता। वह अपने साथ चलने वाले चार भैरवों, चार लांगुरों और श्रृंगारी के इशारों के सहारे आगे बढ़ते हैं। नितेश कहते हैं कि काली का स्वरूप धारण करते ही उन्हें शरीर में अलग तरह की शक्ति का अनुभव होता है। 30 किलो का भार और आंखों के सामने छाया अंधेरा भी उस समय महसूस नहीं होता। उन्हें लगता है कि मां स्वयं उन्हें अपने धाम तक लेकर जा रही हैं। कोसीकलां की ऐतिहासिक रामलीला में नितेश से पहले अवधेश, दीपक, हरिओम, विजय और नितरा बाबा जैसे कलाकार भी मां काली का स्वरूप निभा चुके हैं। अब नितेश इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। एक ही जयकारा, जय मां काली नवमी के दिन जब रणभेरी, ढोल–नगाडे और बैंड–बाजे के बीच में काली हाथों में नंगी तलवार लेकर खेलती हैं तो हर किसी की सांसे थम जाती हैं और हजारों श्रद्धालुओं के कंठों से गूंजता है, एक ही नारा जय मां काली। महानवमी पर कोसीकलां की धरती पर एक बार फिर साक्षात मां काली का अवतरण होगा। रामलीला महोत्सव की सबसे दिव्य और रोमांचकारी सवारी इस बार भी भक्ति का महासंगम बनेगी, जो आकर्षण का केंद्र रहेगी।

घर में सरकारी दवाओं का काला कारोबार, मारा छापा

दूसरी मंजिल पर मिला 'नॉट फॉर सेल' दवाओं का जखीरा

दिल्ली से हॉकरों के जरिए दवाएं लाकर बेचने का खुलासा

अवैध दवाओं के मामले में कारोबारी को नोटिस देते औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक, दीपक कुमार।

यूनिक समय, कोसीकलां। शेखान मोहल्ला में मेडिकल संचालक ने घर की दूसरी मंजिल को दवाओं का कथित अवैध गोदाम बना रखा था। औषधि विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने देर रात छापा मारकर भारी मात्रा में दवाएं बरामद कीं। इनमें सरकारी अस्पतालों में मरीजों को निशुल्क बांटी जाने वाली 'नॉट फॉर सेल' दवाएं भी शामिल हैं। कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपी मेडिकल संचालक आशीष गोयल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक की तहरीर के अनुसार, चार अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि शेखान मोहल्ला निवासी आशीष गोयल अपने मकान में एच, सी और 1 श्रेणी की दवाओं के साथ नशीली दवाओं का अवैध भंडारण और बिक्री कर रहा है। सूचना उच्चाधिकारियों को देने के बाद पांच अक्टूबर की रात करीब 12:30 बजे उनके अलावा, औषधि निरीक्षक मैनपुरी दीपक कुमार और थाना कोसीकलां पुलिस की टीम ने मकान पर छापा मारा। टीम में थाना के निरीक्षक सुरेंद्र कुमार, उप निरीक्षक सत्यप्रकाश समेत 12 पुलिसकर्मी और महिला पुलिसकर्मी शामिल रहे। तलाशी में मकान की दूसरी मंजिल पर छत के कमरे में दवाओं का बड़ा जखीरा मिला। कई दवाओं पर 'फिजीशियन सैंपल नॉट फॉर सेल', 'जीएनसीटी ऑफ देहली', 'सप्लाई नॉट फॉर सेल', 'एमसीडी सप्लाई नॉट फॉर सेल' और 'हॉस्पिटल सप्लाई नॉट फॉर सेल' की मुहर लगी थी। पूछताछ में आशीष गोयल मौके पर बरामद दवाओं से संबंधित क्रय-विक्रय बिल और घर में भंडारण का वैध औषधि लाइसेंस नहीं दिखा सका। उसने बताया कि उसका वैध लाइसेंस सुभाष बाजार स्थित आशीष मेडिकल एजेंसी के नाम पर है। पुलिस ने दुकान की भी तलाशी ली, लेकिन वहां ऐसी प्रतिबंधित दवाएं नहीं मिलीं। इसके बाद टीम ने आशीष के भाई अमित गोयल के हरदेवगंज रोड, राम नगर स्थित मकान पर भी छापा मारा। वहां से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई। पूछताछ में आशीष गोयल ने बताया कि वह स्नातक है और उसे जानकारी थी कि सरकारी दवाओं को घर में रखना और बेचना अपराध है। इसके बावजूद वह हॉकरों के माध्यम से दिल्ली आदि स्थानों से दवाएं मंगाकर बेचता था। औषधि निरीक्षकों ने 12 प्रकार की दवाओं के नमूने जांच के लिए सील किए हैं। बड़ी मात्रा में अन्य दवाओं को कब्जे में लिया गया है। पुलिस ने औषधि-प्रसाधन सामग्री अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रदेश मंत्री बनने पर व्यापारियों ने किया नरदेव चौधरी का सम्मान

यूनिक समय, कोसीकलां। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर नरदेव चौधरी (प्रतिनिधि, कैबिनेट मंत्री) का स्वागत और सम्मान किया गया। नंदगांव रोड स्थित कार्यालय पर आयोजित स्वागत समारोह में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल गोयल, बृज प्रभात सेवा संस्थान के अध्यक्ष योगेश धनोतिया, प्रबंधक मनीष जैन और मंत्री योगेश धनोतिया सहित व्यापारियों ने नरदेव का स्वागत किया। वक्ताओं ने कहा कि नरदेव चौधरी को प्रदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व मिलने से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। यह नियुक्ति उनके लंबे समय से संगठन के प्रति समर्पण और किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों का सम्मान है। इस दौरान नरदेव चौधरी ने कहा कि आज आप सबने जो प्यार, सम्मान और आशीर्वाद दिया है, ये मेरे लिए जीवन भर की पूंजी है। प्रदेश मंत्री का ये पद मेरा नहीं, बल्कि आप जैसे सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, व्यापारियों और मेरे परिवार समान बृज प्रभात सेवा संस्थान के परिश्रम का सम्मान है। किसानों, व्यापारियों और आम जनमानस की आवाज को प्रदेश स्तर तक मजबूती से उठाऊंगा। कोसीकलां और पूरे ब्रज क्षेत्र का विकास और संगठन की मजबूती ही उनका पहला लक्ष्य रहेगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और व्यापारी मौजूद रहे।

नेपाल त्रासदी के मृत लोगों की आत्मा की शांति को हुआ यज्ञ

यूनिक समय, कोसीकलां। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन की आपदा से पूरा मानव समाज दुखी है। इसी मानवीय संवेदना को लेकर नगर के नंदगांव रोड स्थित शिव मंदिर परिसर में पंच यज्ञ प्रचारिणी सभा के तत्वावधान में विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया। पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चारण और शंखनाद के बीच शुरू हुए इस महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने विश्व शांति और लोक कल्याण के लिए आहुतियां समर्पित कीं। यज्ञ का मुख्य उद्देश्य नेपाल त्रासदी में असमय काल के गाल में समा गए लोगों की आत्मा की शांति और वहां फंसे हजारों लोगों की सकुशलता के लिए प्रार्थना करना था। सभा के आचार्य विवेक उपाध्याय ने कहा कि नेपाल में आई यह प्राकृतिक आपदा अत्यंत पीड़ादायक है। इस आपदा में व्यापक जन–धन की हानि हुई है। धार्मिक यात्रा पर गए कई श्रद्धालु भी प्रभावित क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। यज्ञ समापन पर श्रद्धालुओं ने नेपाल में जल्द स्थिति सामान्य होने की कामना की। इस अवसर पर यज्ञ प्रबंधक कन्हैयालाल मंगला, योगेश धानौतिया, प्रेमसिंह पौनिया, मीडिया प्रभारी पं. भारत शर्मा, पं. हरिओम वैष्णव, राजकुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

ध्वज की भव्य सवारी से होगा रामलीला महोत्सव का शंखनाद

दुल्हन की तरह सजा कोसीकलां

दिनभर चलतीं रहीं तैयारियां

रामलीला महोत्सव के लिए सजाया गया कोसीकलां।

यूनिक समय, कोसीकलां। धार्मिक नगरी में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की लीला का मंचन मंगलवार से शुरू होने जा रहा है। श्री रामलीला संस्थान के तत्वावधान में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव का आगाज छह अक्टूबर को ध्वज पूजन शोभायात्रा के साथ होगा। संस्थान के अध्यक्ष गिर्राज चौधरी ने बताया कि मंगलवार शाम पांच बजे ग्यालाल स्मृति भवन से ध्वज की भव्य सवारी निकाली जाएगी। बैंड-बाजों की मधुर धुन और आकर्षक झांकियों के साथ शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई भरत मिलाप चौक पहुंचेगी। वहां मेला आचार्य पं. मोरमुकुट शास्त्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से ध्वज पूजन कर ध्वज स्थापित करेंगे। इसी के साथ पंद्रह दिवसीय रामलीला महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा। महोत्सव को लेकर रामलीला संस्थान ने नगर को दुल्हन की तरह सजा दिया है। प्रमुख बाजारों और चौराहों पर भव्य तोरण द्वार बनाए गए हैं। रंग–बिरंगे वस्त्रों और झालरों से सजे प्रवेश द्वार बरबस ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। पूरे नगर में उत्सव जैसा माहौल है और राम भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

छाता शुगर मिल प्रकरण को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले तरुण सेठ

रक्षा मंत्री से भेंट करते वरिष्ठ भाजपा नेता तरुण सेठ और सीमा रानी सेठ।

यूनिक समय, कोसीकलां। छाता शुगर मिल प्रकरण में अब बड़ी हलचल शुरू हो गयी है। भाजपा वरिष्ठ नेता तरुण सेठ और उनकी पत्नी भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष सीमा रानी सेठ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। तरुण सेठ ने रक्षा मंत्री को छाता शुगर मिल की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बंद पड़ी छाता शुगर मिल परिसर में पिछले करीब दो माह से किसान धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। मिल बंद होने से क्षेत्र के हजारों किसान और मजदूर परिवार भुखमरी के कगार पर हैं। उन्होंने जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए समस्या के सीघ्र ही समाधान की मांग की। इस पर माननीय रक्षा मंत्री ने कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस संदर्भ में बात करके समस्या का अवश्य हल निकलवाएंगे। इस दौरान तरुण सेठ ने राष्ट्रीय राजमार्ग 19 हाईवे पर कोसी और अजीजपुर में पुल अंडरपास न होने से हो रहे भीषण हादसों का मुद्दा दाभी उठाया। साथ ही कोसीकलां में लंबे समय से अधूरी पडी सर्विस रोड रोड को जल्द बनवाने की मांग भी रखी, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

संतोष कटारा बने भाकियू अंबावता के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष

यूनिक समय, नौहझील। भारतीय किसान यूनियन अंबावता की बैठक नौहझील में आयोजित हुई। इस दौरान जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा ने शारीरिक रूप से अस्वस्थ होने का हवाला देते हुए संतोष कटारा को संगठन का कार्यवाहक जिला अध्यक्ष मनोनीत किया। वहीं पुनीत पाठक को नौहझील ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष कपिल शर्मा, मंडल प्रभारी आगरा अनिल शर्मा, प्रहलाद शर्मा, यशपाल सिंह, यज्ञदत्त गुप्ता, जगदीश, रामेश्वर, मुंशी खान, विष्णु पुजारी, छोटू पाठक, देवेश अग्रवाल, राजाराम पहलवान, प्रमोद पाठक, रामकुमार पाठक, इमरान हाशमी, सुदर्शन ठाकुर और विकास चौधरी आदि मौजूद रहे।

सुविचार

दुनिया की सबसे अच्छी दवा जिम्मेदारी है, एक बार अपना लीजिए जिंदगी भर थकने नहीं देगी।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	02:08-12:35 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	आश्लेषा	11:09-10:17 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:14 AM	चन्द्रोदय	01:42 AM
सूर्यास्त		6:00 PM	चंद्रास्त	03:19 PM
सूर्य राशि		कन्या राशि	चंद्र	कर्क राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM –12:41 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:36-05:25
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		03:04 PM: 04:32 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

इंदिरा एकादशी पर पितरों को मिलेगा मुक्ति का मार्ग

श्राद्ध में रखें ये सावधानियां, पितृपक्ष की एकादशी छह अक्टूबर को

श्राद्ध-तर्पण और दान का विशेष महत्व

यूनिक समय, मथुरा। पितृपक्ष में आने वाली इंदिरा एकादशी को पितरों के उद्धार के लिए विशेष फलदायी माना गया है।

इस बार इंदिरा एकादशी 6 अक्टूबर, मंगलवार को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के साथ पितरों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और दान करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। यह भी मान्यता है कि यमयातना या निम्न योनि में पड़े पितरों के लिए किए गए इस धार्मिक कर्म से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

एकादशी तिथि 6 अक्टूबर को सुबह 2:07 बजे से शुरू होकर 7 अक्टूबर की सुबह 12:34 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर व्रत और श्राद्ध कर्म 6 अक्टूबर को किया जाएगा। श्राद्ध के लिए कुतुप मुहूर्त सुबह 11:46 से दोपहर 12:33 बजे तक, रौहिण मुहूर्त 12:33 से 1:20 बजे तक और अपरान्ह काल 1:20 से शाम 3:40 बजे तक रहेगा।

इंदिरा एकादशी पर सुबह स्नान के बाद भगवान विष्णु का ध्यान कर व्रत का संकल्प लेने और विधि-विधान से पूजा करने की परंपरा है। इसके बाद पितरों का स्मरण कर तर्पण और दान किया जाता है। श्राद्ध कर्म में शुद्धता और श्रद्धा का विशेष ध्यान रखने की बात कही गई है। पितरों के निमित्त सात्विक भोजन तैयार कर ब्राह्मणों या जरूरतमंदों को भोजन कराने की परंपरा है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन किसी का अपमान या अनादर करने से बचना चाहिए। श्राद्ध कर्म पूरा होने के बाद सामर्थ्य के अनुसार भोजन, वस्त्र या अन्य सामग्री का दान किया जा सकता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पुण्य कर्म का फल पितरों को अर्पित करने से उन्हें सद्गति मिलती है और परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। परंपरा में इस दिन बाल और नाखून काटने से भी परहेज करने की बात कही गई है।

बिना इंटरनेट के फोन पर टीवी, डी2एम का कमाल

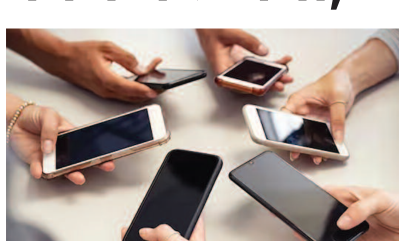

मोबाइल डेटा और वाई-फाई के बिना लाइव टीवी, समाचार देखने की तैयारी

हर फोन में नहीं चलेगा, खास उपकरण जरूरी

यूनिक समय, मथुरा। सोचिए, फोन में न इंटरनेट हो, न मोबाइल डेटा और फिर भी उस पर लाइव टीवी और समाचार देखे जा सकें। भारत में प्रत्यक्ष-से-मोबाइल यानी डी2एम तकनीक इसी संभावना को हकीकत में बदलने की तैयारी कर रही है। प्रसार भारती इसके व्यावसायिक उपयोग की दिशा में आगे बढ़ रहा है और अक्टूबर 2026 में इसके लिए प्रस्ताव आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है।

डी2एम में इंटरनेट या मोबाइल नेटवर्क के बजाय प्रसारण संकेतों के माध्यम से वीडियो, ध्वनि और अन्य सामग्री सीधे ऐसे मोबाइल उपकरणों तक पहुंचाई जाती है, जिनमें इसके लिए जरूरी तकनीकी सुविधा मौजूद हो। इसका मतलब है कि एक साथ बड़ी संख्या में लोग लाइव कार्यक्रम देखें, तब हर व्यक्ति के लिए अलग इंटरनेट प्रसारण की जरूरत नहीं होगी। इससे मोबाइल नेटवर्क पर वीडियो सामग्री का दबाव कम हो सकता है। डी2एम की सबसे बड़ी शर्त यह है कि इसे चलाने के लिए मोबाइल फोन में आवश्यक हार्डवेयर और प्रसारण मानक का समर्थन होना चाहिए। यानी मौजूदा हर स्मार्टफोन पर यह सुविधा अपने आप शुरू नहीं हो जाएगी। कुछ उपकरणों में अलग ग्रहण यंत्र, एंटीना और अन्य तकनीकी हिस्सों की जरूरत पड़ सकती है। भारत में प्रसार भारती और आईआईटी कानपुर लंबे समय से इस तकनीक पर काम कर रहे हैं। इसके परीक्षण भी किए जा चुके हैं। डी2एम का इस्तेमाल मनोरंजन के अलावा शिक्षा, समाचार और आपातकालीन संदेश पहुंचाने में भी किया जा सकता है। हालांकि इसे नेटफ्लिक्स जैसे मंचों का सीधा विकल्प नहीं माना जा सकता। इंटरनेट आधारित मंच मांग के अनुसार सामग्री देते हैं, जबकि डी2एम मुख्य रूप से प्रसारण सामग्री को एक साथ बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचाने की तकनीक है। अभी देशभर में इसकी व्यावसायिक शुरुआत बाकी है।

जीएसटी में बड़ा बदलाव,अब गिरफ्तारी से पहले कोर्ट की मंजूरी

कर अधिकारियों के अधिकारों पर लगेगी नई लगाम

पांच करोड़ तक मामलों में नहीं होगी गिरफ्तारी

कारोबारियों को मिलेगी गिरफ्तारी से बड़ी राहत

यूनिक समय, मथुरा। वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था में कारोबारियों को राहत देने की दिशा में केंद्र सरकार बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। सात अक्टूबर को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में कर अधिकारियों के सीधे गिरफ्तारी के अधिकार को सीमित करने का प्रस्ताव रखा जा सकता है। प्रस्ताव के अनुसार, अब किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए अदालत की मंजूरी अनिवार्य होगी। वर्तमान व्यवस्था में आयुक्त स्तर की अनुमति मिलने पर अधिकारी सीधे गिरफ्तार कर सकते हैं।

इसके साथ ही कर चोरी और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट से जुड़े आपराधिक मामलों की सीमा भी बढ़ाने की तैयारी है। वर्तमान में एक करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी पर आपराधिक कार्रवाई हो सकती है। प्रस्ताव में इसे बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने की सिफारिश की गई है। यानी पांच करोड़ रुपये से कम के मामलों को सामान्य तौर पर आपराधिक कार्रवाई के दायरे से बाहर रखा जा सकेगा।

सरकार की योजना में कर वर्गीकरण, माल या सेवा के मूल्यांकन और इनपुट टैक्स क्रेडिट जैसे सामान्य विवादों को भी आपराधिक कार्रवाई से अलग रखने का प्रस्ताव है। कारोबारियों और कर अधिकारियों के बीच नियमों की व्याख्या को लेकर होने वाले मतभेदों को अपराध नहीं माना जाएगा।

गिरफ्तारी का अधिकार सीमित होने के बावजूद कर वसूली की व्यवस्था प्रभावित नहीं होगी।

अधिकारी बकाया कर, ब्याज और जुर्माना वसूलने की अपनी शक्तियों का इस्तेमाल कर सकेंगे। गंभीर और जानबूझकर किए गए बड़े कर फर्जीवाड़े में अदालत के माध्यम से मुकदमा चलता रहेगा।

प्रस्ताव में जीएसटी से जुड़ी 24 आपराधिक धाराओं में से नौ को हटाने और 11 को बनाए रखने की बात कही गई है। कुछ अपराधों में अनिवार्य न्यूनतम सजा समाप्त कर अदालत को केवल जुर्माना लगाने का विकल्प देने तथा मध्यम श्रेणी के अपराधों में अधिकतम सजा तीन से घटाकर दो वर्ष करने का भी सुझाव है। सरकार का मानना है कि इससे कारोबारियों में भरोसा बढ़ेगा और कर प्रशासन गिरफ्तारी के बजाय तकनीक, आंकड़ों और कर वसूली पर अधिक केंद्रित होगा।

आंवले की खेती में अव्वल प्रतापगढ़ मिला खास भौगोलिक सम्मान

20 हजार हेक्टेयर में बाग, कई उत्पादों का बड़ा है कारोबार

मार्च 2023 में मिला जीआई पंजीकरण

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश का प्रतापगढ़ आंवले की खेती के लिए देशभर में अलग पहचान रखता है। बड़े पैमाने पर आंवले के उत्पादन के कारण इसे 'आंवला राजधानी' भी कहा जाता है। जिले में करीब 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में आंवले के बाग होने की जानकारी है। यहां आंवला केवल फल के रूप में नहीं बिकता, बल्कि इससे मुरब्बा, कैंडी, जूस, अचार, चूर्ण और लड्डू समेत कई उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख आंवला उत्पादक राज्यों में शामिल है। राज्य के कुल आंवला उत्पादन में प्रदेश की हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत बताई जाती है। आंवले से जुड़े कारोबार ने किसानों के साथ स्थानीय छोटे उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों के लिए भी रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं।

प्रतापगढ़ के आंवले को मार्च 2023 में भौगोलिक संकेत यानी जीआई पंजीकरण मिला। इससे इसकी क्षेत्रीय पहचान को आधिकारिक मान्यता मिली है। जिले में आंवला आधारित प्रसंस्करण इकाइयां भी संचालित हैं।

एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत इसकी पैकेजिंग और विपणन को बढ़ावा दिया जा रहा है। यही वजह है कि प्रतापगढ़ की पहचान अब आंवले की खेती के साथ उससे जुड़े कारोबार के बड़े केंद्र के रूप में भी मजबूत हुई है।

मोबाइल में उलझे बचपन पर लगे लगाम, ऐसे तय करें स्क्रीन टाइम

उम्र के हिसाब से तय करें मोबाइल और टीवी का समय

सोने से पहले स्क्रीन बंद बीच में लें आराम

यूनिक समय, मथुरा। मोबाइल, टीवी, कंप्यूटर और टैबलेट बच्चों की पढ़ाई का हिस्सा बन चुके हैं। ऑनलाइन कक्षाओं और शैक्षणिक सामग्री के लिए इनका इस्तेमाल उपयोगी है, लेकिन मनोरंजन के लिए घंटों स्क्रीन देखना परेशानी पैदा कर सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार हर बच्चे के लिए स्क्रीन इस्तेमाल का समय उसकी उम्र, पढ़ाई, नींद और शारीरिक गतिविधि को ध्यान में रखकर तय करना चाहिए। छोटे बच्चों के लिए स्क्रीन समय विशेष रूप से सीमित रखना जरूरी है।

अभिभावकों को ध्यान रखना चाहिए कि स्क्रीन की वजह से बच्चे की नींद, खेलकूद और परिवार के साथ समय प्रभावित न हो। सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल, टीवी और अन्य उपकरण बंद कर देना बेहतर है। पढ़ाई के दौरान भी बच्चों को बीच-बीच में उठकर चलने और आंखों को आराम देने का मौका दें। भोजन के समय और परिवार के साथ बातचीत के दौरान मोबाइल से दूरी रखने की आदत डालें। अभिभावक खुद भी इसका उदाहरण बनें। बच्चों का स्क्रीन समय केवल घंटों से नहीं, बल्कि उसके असर से तय किया जाना चाहिए।

सम्पादकीय

पहले किताब पढ़िए, फिर फिल्म की परतें समझिए

आज के दौर में किताब पढ़ना शायद सबसे कठिन कामों में शामिल हो गया है। कारण यह नहीं कि किताबें कम हो गई हैं, बल्कि इसलिए कि मोबाइल की स्क्रीन ने हमारी उंगलियों को इतना व्यस्त कर दिया है कि पन्ने पलटने का धैर्य ही खत्म होता जा रहा है। कहानी पढ़ने के बजाय अब हम चाहते हैं कि कोई उसे दो घंटे में पर्दे पर दिखा दे और वह भी बीच–बीच में कुछ ऐसा डाल दे कि हाथ अपने आप नाश्ते की प्लेट तक पहुंच जाए।

एन. रघुरामन का सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि बच्चों और युवाओं को किसी कहानी का फिल्मी चेहरा दिखाने से पहले उसका साहित्यिक चेहरा क्यों न दिखाया जाए? फिल्म देखने से पहले किताब पढ़ने की सलाह आज के दौर में शायद कुछ लोगों को वैसी ही लगे जैसे किसी बच्चे को मोबाइल देने के बजाय पुस्तकालय भेज देना। लेकिन असली मजा यहीं से शुरू होता है।

पवन गौतम
संपादक

'द गाइड' इसका शानदार उदाहरण है। आर.के. नारायण की किताब पढ़ने के बाद देव आनंद की फिल्म देखने पर साफ दिखाई देता है कि कहानी वही होते हुए भी दोनों की दुनिया अलग है। किताब आपको पात्रों के भीतर ले जाती है, जबकि फिल्म आपको निर्देशक की नजर से कहानी दिखाती है। किताब में मालगुडी की धीमी जिंदगी, छोटे शहर की विडंबनाएं और पात्रों की कमजोरियां जिस तरह उभरती हैं, फिल्म उन्हें अपने समय और व्यावसायिक जरूरतों के मुताबिक नया रूप देती है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

यही अंतर साहित्य और सिनेमा की खूबसूरती भी है। किताब लेखक की आवाज है, फिल्म निर्देशक की व्याख्या। दोनों को एक जैसा बनाने की कोशिश वैसी ही होगी जैसे मां के हाथ के खाने और होटल के उसी नाम वाले व्यंजन को एक मान लेना।

विडंबना यह है कि आज कई लोग फिल्म देखकर किताब पर फैसला सुना देते हैं। किताब पढ़ने की जरूरत इसलिए नहीं समझते क्योंकि 'फिल्म देख ली है।' यह कुछ वैसा ही है जैसे किसी व्यक्ति का पूरा परिचय उसकी तस्वीर देखकर तय कर देना।

पहले किताब पढ़ने से फिल्म का आनंद कम नहीं होता, बल्कि आंखें ज्यादा खुलती हैं। पाठक देख पाता है कि पर्दे पर क्या बचा, क्या बदला और क्या गायब हो गया। कहानी के दो रूप सामने आते हैं और दोनों को समझने की क्षमता विकसित होती है।

इसलिए बच्चों को केवल यह मत सिखाइए कि कहानी देखनी कैसे है। उन्हें यह भी सिखाइए कि कहानी पढ़नी कैसे है। किताब कल्पना देती है, फिल्म उसकी एक तस्वीर। तस्वीर सुंदर हो सकती है, लेकिन कल्पना की दुनिया हमेशा उससे बड़ी होती है।

नजरिया

कैंची धाम में भीड़, आखिर व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी किसकी

बोध प्रकाश सगुणी

कैंची धाम में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ इन दिनों आस्था की ताकत का प्रमाण कम और व्यवस्था की कमजोर तैयारी का आईना ज्यादा नजर आ रही है। नीम करौली बाबा के इस प्रसिद्ध धाम में दर्शन के लिए देशभर से लोग पहुंच रहे हैं। भीड़ बढ़ने के साथ सड़कें जाम हो रही हैं, वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं और बच्चों तथा महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यहां तक पहुंच गई कि फिल्म के निर्देशक को स्वयं वीडियो जारी कर श्रद्धालुओं से यात्रा की परिस्थितियों को देखकर आने की अपील करनी पड़ी। सवाल यह है कि जिस स्थिति को सड़क पर खड़ा आम व्यक्ति देख सकता है, वह प्रशासन की व्यवस्था की मेज तक पहुंचने में इतना समय क्यों लेती है? किसी धार्मिक स्थल की लोकप्रियता बढ़ना निश्चित रूप से अच्छी बात है। इससे स्थानीय कारोबार, पर्यटन और रोजगार को गति मिलती है। दुकानदारों, होटल संचालकों, वाहन चालकों और छोटे कारोबारियों के लिए श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या आर्थिक अवसर लेकर आती है। लेकिन लोकप्रियता जितनी तेजी से बढ़ती है, व्यवस्था की जिम्मेदारी भी उतनी ही तेजी से बढ़नी चाहिए। यहां समस्या आस्था की नहीं, उस आस्था को संभालने की तैयारी की है। श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए आता है, यातायात विभाग की परीक्षा देने नहीं। वह परिवार के साथ आता है तो उसकी अपेक्षा होती है कि उसे सुरक्षित रास्ता, पीने का पानी, शौचालय, पार्किंग और आपात स्थिति में चिकित्सा सुविधा मिलेगी। यदि दर्शन से पहले ही घंटों जाम में खड़ा रहना पड़े तो आस्था के साथ असुविधा का अनुभव भी जुड़ जाता है। कैंची धाम में अचानक भीड़ नहीं आई है। धार्मिक स्थलों की लोकप्रियता बढ़ने के पीछे धार्मिक यात्राओं के साथ सामाजिक माध्यमों, फिल्मों और प्रचार की बड़ी भूमिका है। जब किसी संत या धार्मिक स्थल से जुड़ी कहानी बड़े पर्दे तक पहुंचती है तो लोगों की उत्सुकता बढ़ना स्वाभाविक है। यही उत्सुकता यात्राओं में बदलती है। इसलिए भीड़ को लेकर प्रशासन के पास कोई बहाना नहीं होना चाहिए। लोकप्रियता का सटीक अनुमान लगाना कठिन हो सकता है, लेकिन संभावित भीड़ के दबाव को समझना असंभव नहीं। अगर किसी फिल्म की लोकप्रियता लोगों को किसी स्थान तक पहुंचा सकती है तो प्रशासन को भी अपनी व्यवस्था वहां तक पहुंचानी चाहिए। विडंबना यह है कि हमारे यहां व्यवस्था अक्सर भीड़ आने के बाद जागती है। पहले लोग पहुंचते हैं, फिर वाहन फंसते हैं, उसके बाद यातायात रुकता है, शिकायतें आती हैं और अंत में बैठकें शुरू होती हैं। होना इसका उलटा चाहिए। पहले संभावित भीड़ का अनुमान हो, फिर यातायात योजना बने, पार्किंग तय हो, पैदल मार्ग चिन्हित हों, चिकित्सा और सुरक्षा दल तैयार रहें और उसके बाद श्रद्धालुओं का स्वागत हो। धार्मिक पर्यटन कोई अचानक आने वाली आपदा नहीं है कि उसकी तैयारी ही न की जा सके। आस्था को केवल एक ही स्थान पर जमा करने की जरूरत भी नहीं है। निर्देशक ने नीम करौली बाबा से जुड़े दूसरे स्थानों–कपरी घाट, हनुमानगढ़ मंदिर, अकबरपुर, वृंदावन और नीकर गांव–का उल्लेख किया है। यदि श्रद्धालुओं को इन स्थानों की जानकारी दी जाए और वहां आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं तो भीड़ का दबाव बांटा जा सकता है। इससे एक ही स्थान पर अत्यधिक भीड़ जमा होने से बचाया जा सकेगा और बाबा से जुड़े अन्य स्थलों को भी धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर स्थान मिल सकता है। इससे आसपास के क्षेत्रों में रोजगार और कारोबार के अवसर भी बढ़ेंगे।

लेकिन केवल अपील से काम नहीं चलेगा। स्थायी यातायात योजना, अलग पैदल मार्ग, पर्याप्त पार्किंग, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, महिला और बच्चों की सुरक्षा तथा भीड़ की क्षमता के अनुसार प्रवेश व्यवस्था जरूरी है। जहां

लगातार बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हों, वहां भीड़ प्रबंधन भी स्थायी होना चाहिए। त्योहार या विशेष अवसर आने पर अचानक इंतजाम बढ़ाना पर्याप्त नहीं। प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के लिए स्थायी नियंत्रण कक्ष, यातायात निगरानी और आपात स्थिति में तत्काल सहायता की व्यवस्था समय की जरूरत है।

इस मामले में फिल्म बनाने वालों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जब किसी फिल्म, धारावाहिक या प्रचार अभियान के कारण किसी धार्मिक स्थल की लोकप्रियता तेजी से बढ़ती है तो उसके सामाजिक प्रभाव को समझना भी जरूरी है। लोकप्रियता के साथ जिम्मेदारी आती है। श्रद्धालुओं को सही समय, सही मार्ग और वैकल्पिक स्थलों की जानकारी देना प्रचार का ही हिस्सा होना चाहिए। यदि किसी रचना ने किसी स्थान की प्रसिद्धि बढ़ाई है तो उसके बाद वहां पैदा होने वाली परिस्थितियों को लेकर संवाद भी होना चाहिए। श्रद्धालुओं की भी अपनी जिम्मेदारी है। धार्मिक उत्साह में यह मान लेना कि भीड़ जितनी अधिक होगी, पुण्य उतना ही बड़ा होगा, उचित नहीं। दर्शन के लिए अपनी और परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है। प्रशासन की सलाह, यातायात व्यवस्था और भीड़ की स्थिति देखकर यात्रा का निर्णय लेना समझदारी है। आस्था को धैर्य की जरूरत होती है, धक्का-मुक्की की नहीं। यदि किसी दिन स्थिति अत्यधिक खराब है तो यात्रा टाल देना श्रद्धा की कमी नहीं, बल्कि समझदारी है।

फिर सबसे बड़ा सवाल व्यवस्था से ही है। देश में बड़े–बड़े भवनों की योजनाएं बन सकती हैं, सड़कों के चौड़ीकरण के प्रस्ताव तैयार हो सकते हैं और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा सकते हैं, तो किसी प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्थायी व्यवस्था क्यों नहीं बन सकती? क्या प्रशासन हर बार जाम लगने, लोग परेशान होने और कोई वीडियो सामने आने के बाद ही जागेगा? क्या व्यवस्था की नींद खोलने के लिए हर बार किसी फिल्म, समाचार या सामाजिक माध्यम की जरूरत पड़ेगी?

भक्ति बढ़ना समस्या नहीं है। समस्या तब पैदा होती है, जब भक्ति की रफ्तार व्यवस्था से कई गुना आगे निकल जाए। कैंची धाम आज केवल श्रद्धा का केंद्र नहीं, बल्कि प्रशासनिक तैयारी की परीक्षा भी है। श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने आता है, व्यवस्था की अव्यवस्था देखने नहीं। आस्था को पर्यटन और रोजगार की ताकत बनाना है तो भीड़ को परेशानी नहीं, सुव्यवस्थित अनुभव देना होगा। मंदिर में भगवान के लिए जगह है, अब भक्तों के लिए व्यवस्था में जगह बनाने की जरूरत है। जिम्मेदारी केवल श्रद्धालु की नहीं, उस व्यवस्था की भी है जो धार्मिक पर्यटन बढ़ने पर लाभ तो चाहती है, लेकिन बढ़ती भीड़ के अनुरूप सुविधाएं देने में पीछे रह जाती है।

विचार विंडो

यूपी में कांग्रेस का बड़ा फेरबदल, भीतर की खींचतान बेनकाब

आशीष मिश्रा

उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को हटाकर एक ऐसा राजनीतिक फैसला लिया है, जिसके मायने केवल संगठनात्मक फेरबदल तक सीमित नहीं हैं। आराधना मिश्रा मोना को प्रदेश अध्यक्ष और इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस ने साफ संकेत दिया है कि 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए उसकी प्राथमिकताएं बदल रही हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर चुनाव के मुहाने पर अजय राय ही क्यों?

अजय राय ने कांग्रेस के लिए आसान समय में प्रदेश की कमान नहीं संभाली थी। जब कांग्रेस उत्तर प्रदेश में लगभग हाशिये पर पहुंच चुकी थी, तब उन्होंने संगठन को सड़क पर सक्रिय रखने की कोशिश की। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं। यह संख्या भले बहुत बड़ी न हो, लेकिन उस पार्टी के लिए महत्वपूर्ण थी, जिसे उत्तर प्रदेश में लगातार कमजोर माना जा रहा था। वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अजय राय का चुनाव लड़ना भी कांग्रेस के संघर्षशील चेहरे के तौर पर उनकी पहचान मजबूत करता रहा।

फिर भी पार्टी ने चुनाव से महज कुछ महीने पहले उन्हें हटा दिया। इसका सीधा अर्थ है कि कांग्रेस नेतृत्व अब अजय राय की राजनीतिक उपयोगिता से ज्यादा चुनावी रणनीति के दूसरे पहलुओं को महत्व दे रहा है।

अजय राय और प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के बीच मतभेद लंबे समय से चर्चा में थे। संगठन में किसे महत्व मिले, जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में किन सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व मिले और 2027 के लिए कांग्रेस की दिशा क्या हो–इन सवालों पर दोनों नेताओं की सोच अलग–अलग बताई जाती रही। राजनीतिक दलों में मतभेद कोई नई बात नहीं, लेकिन जब संगठन की अंदरूनी खींचतान सार्वजनिक होने लगे तो मामला गंभीर हो जाता है। 23 सितंबर की कार्यकर्ताओं की बैठक में प्रभारी की मौजूदगी और प्रदेश अध्यक्ष की अनुपस्थिति ने इन चर्चाओं को और हवा दी। इसके बाद यह सवाल स्वाभाविक था कि क्या प्रदेश कांग्रेस में

दो समानांतर राजनीतिक केंद्र बन गए हैं? यदि ऐसा था तो आलाकमान के सामने विकल्प सीमित थे। या तो दोनों पक्षों में समझौता कराया जाता या फिर एक को हटाकर संगठन को स्पष्ट दिशा दी जाती। कांग्रेस ने दूसरा रास्ता चुना।

लेकिन यहां एक सवाल और खड़ा होता है–क्या केवल संगठनात्मक मतभेद दूर करने के लिए इतने बड़े बदलाव की जरूरत थी? शायद नहीं। इसके पीछे 2027 का बड़ा राजनीतिक गणित भी काम कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के सामने विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत सपा है। कांग्रेस के लिए 2027 में सपा के साथ तालमेल बनाए रखना राजनीतिक मजबूरी भी है और रणनीतिक जरूरत भी। ऐसे में दोनों दलों के बीच प्रदेश स्तर पर बेहतर संवाद का महत्व बढ़ जाता है। अजय राय और अखिलेश यादव के बीच कई मौकों पर राजनीतिक बयानबाजी हुई। गठबंधन की राजनीति में सार्वजनिक मंच से होने वाली तल्खी अक्सर बंद कमरे की बातचीत पर भी असर डालती है। कांग्रेस को शायद यही अहसास हुआ कि चुनावी सीटों के बंटवारे से लेकर संयुक्त अभियान तक उसे ऐसे प्रदेश नेतृत्व की जरूरत है जो सपा के साथ कम टकराव और ज्यादा संवाद का रास्ता अपनाए। आराधना मिश्रा मोना का चयन इसी नजरिए से देखा जा रहा है। उनके पिता प्रमोद तिवारी के समाजवादी पार्टी नेतृत्व के साथ पुराने राजनीतिक संबंध रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं कि कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष बदलकर सपा के सामने पूरी तरह आत्मसमर्पण कर दिया है। बल्कि संदेश यह है कि गठबंधन भी चाहिए और बातचीत का रास्ता भी खुला रखना है। यही कांग्रेस की नई चुनौती है–सपा के साथ रहकर भी अपनी राजनीतिक जमीन बचाना। नई टीम को देखें तो कांग्रेस ने एक और बड़ा संदेश दिया है। आराधना मिश्रा मोना के जरिए ब्राह्मण प्रतिनिधित्व, इमरान मसूद के जरिए मुस्लिम चेहरा, देवेंद्र निषाद के जरिए पिछड़ा वर्ग और आलोक प्रसाद के जरिए दलित प्रतिनिधित्व को सामने रखा गया है। यह संयोग नहीं हो सकता। कांग्रेस लंबे समय से उत्तर प्रदेश में अपने पुराने सामाजिक आधार की वापसी की तलाश में है। ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम मतदाताओं का वह गठजोड़, जिसने कभी कांग्रेस को प्रदेश की सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति बनाया था, अब अलग–अलग दलों के बीच बंट चुका है।

कांग्रेस शायद मान रही है कि 2024 के लोकसभा चुनाव ने उसके लिए वापसी का रास्ता खोल दिया है। अब उसे उसी माहौल को विधानसभा चुनाव तक ले जाना है। लेकिन सामाजिक समीकरण केवल पद बांटने से नहीं बनते। मतदाता को संगठन, नेतृत्व और जमीन पर मौजूदगी भी दिखाई देनी चाहिए। कांग्रेस की असली परीक्षा यहीं होगी। अजय राय को हटाकर कांग्रेस ने एक जोखिम भी लिया है। पूर्वांचल में उनकी अपनी राजनीतिक पहचान है। उनके समर्थकों को अगर नई टीम के साथ नहीं जोड़ा गया तो बदलाव का फायदा उलटा पड़ सकता है।

कांग्रेस के सामने अब सबसे कठिन काम यही है कि वह अजय राय की जगह नई टीम खड़ी करने के साथ पुराने संगठन को भी टूटने से बचाए। राय को पूरी तरह किनारे करने के बजाय किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में बनाए रखना पार्टी के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

आखिरकार राजनीति में चेहरा बदलना आसान है, लेकिन उसके साथ जुड़ा संगठन और समर्थक वर्ग बदलना आसान नहीं होता।

इसलिए अजय राय की विदाई को केवल एक अध्यक्ष की छुट्टी समझना कांग्रेस की रणनीति को कम करके आंकना होगा। यह फैसला बताता है कि पार्टी 2027 को लेकर नए सिरे से दांव लगा रही है–सपा से बेहतर तालमेल, पुराने सामाजिक समीकरणों की वापसी और संगठन में नया संतुलन। अब सवाल कांग्रेस से ज्यादा जनता का है–क्या बदली हुई कमान बदली हुई किस्मत भी ला पाएगी? चुनाव में कुछ महीने बचे हैं। कांग्रेस ने पत्ते तो बदल दिए हैं, अब बाजी पलटने की बारी है।

एशियाड 2026 में बेटियों का रहा जलवा, पुरुषों को पछाड़ा

नीरू ढांडा और कुमकुम मोहोद ने जीते तीन तीन मेडल

महिलाओं ने पुरुषों से चार ज्यादा गोल्ड जीतकर दिखाया दम

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। महाद्वीपीय बहु-खेल प्रतियोगिता के 20वें संस्करण में करीब 500 भारतीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और भारत ने कुल 85 पदक अपने नाम किए। इनमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। यह एशियन गेम्स में भारत का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा पदक प्रदर्शन है। इससे पहले हांगझोउ 2023 में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्रॉन्ज शामिल थे। इस बार भारत की महिला खिलाड़ियों ने पुरुष एथलीटों को खास तौर पर गोल्ड मेडल के मामले में पीछे छोड़ दिया। भारतीय महिलाओं ने कुल 11 गोल्ड, 11 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज समेत 38 पदक जीते। वहीं पुरुष खिलाड़ियों के खाते में 7 गोल्ड, 14 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज समेत 38 पदक आए। इसके अलावा मिक्स्ड इवेंट्स में भारत ने 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज सहित 9 पदक जीते।

इस तरह कुल 85 पदकों में महिलाओं और पुरुषों का योगदान बराबर रहा, लेकिन गोल्ड मेडल में महिलाओं ने पुरुषों से चार पदक ज्यादा जीते। एशियाड में हरियाणा और मध्य प्रदेश की 26 वर्षीय ट्रैप शूटर नीरू ढांडा भारत की बड़ी स्टार बनकर उभरीं। उन्होंने महिला ट्रैप शूटिंग में भारत के लिए पहली बार गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा। नीरू ने प्रतियोगिता में कुल दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता। वह कुमकुम मोहोद के साथ भारत की उन खिलाड़ियों में शामिल रहीं, जिन्होंने एशियाड 2026 में तीन–तीन पदक अपने नाम किए। नीरू को एशियाड के समापन समारोह में भारतीय दल का फ्लैग बियरर चुना गया। उन्होंने 30 सितंबर को अपना आखिरी मेडल जीता था। इसके बाद परमिट नियमों के तहत अपनी शॉटगन लौटाने के लिए उन्हें भारत आना पड़ा। हालांकि, समापन समारोह में तिरंगा थामने के लिए वह अगले ही दिन जापान लौट गईं। नागोया में आयोजित समारोह में वह भारतीय टीम की अगुआई करती नजर आईं। 2022 एशियाड की तुलना में भी भारतीय महिलाओं का प्रदर्शन बेहतर रहा।

आईटी रेड पर रकुल प्रीत का बयान 20 साल की उम्र से भर रही हूं टैक्स

रकुल प्रीत सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि उनका किसी भी तरह के विदेशी लेन–देन से कोई संबंध नहीं है

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने ठिकानों पर हुई आयकर विभाग की कार्रवाई के बाद पहली बार प्रतिक्रिया दी है। आयकर विभाग ने बीते दिनों रकुल प्रीत सिंह और उनके ससुर वाशु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन किया था। इस कार्रवाई के करीब एक सप्ताह बाद अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर मामले को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। रकुल ने खुद को आर्म्ड फोर्सेज के परिवार में पली–बढ़ी सेल्फ-मेड आर्टिस्ट बताते हुए कहा कि वह हमेशा कानून का पालन करती आई हैं। उन्होंने दावा किया कि वह 20 साल की उम्र से नियमित रूप से टैक्स भर रही हैं। अभिनेत्री ने अपने बयान में यह भी स्पष्ट किया कि उनका किसी भी तरह के विदेशी लेन–देन से कोई लेना–देना नहीं है। रकुल ने कहा कि उनके पास कोई बेनामी प्रॉपर्टी भी नहीं है। उन्होंने आयकर विभाग की कार्रवाई से जुड़ी अटकलों पर अपनी बात रखते हुए लोगों से तथ्यों के सामने आने का इंतजार करने की अपील की। रकुल प्रीत सिंह हिंदी के साथ–साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। आयकर विभाग की कार्रवाई के बाद से ही इस मामले को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही थीं, जिसके बाद अब अभिनेत्री ने सार्वजनिक तौर पर अपनी सफाई दी है। उनका कहना है कि वह एक जिम्मेदार नागरिक हैं और कानून का सम्मान करती हैं।

'दृश्यम 3' ने मचाया धमाल, ओपनिंग वीकेंड में कमाए 176 करोड़

अजय देवगन की फिल्म ने रिलीज के तीन दिनों में ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम-3' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। 2 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड में ही 176.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने पहले दिन 62 करोड़ रुपये की कमाई के साथ अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनर बनने का रिकॉर्ड बनाया। दूसरे दिन फिल्म ने 53.50 करोड़ रुपये कमाए, जबकि तीसरे दिन इसकी कमाई बढ़कर 61 करोड़ रुपये पहुंच गई। फिल्म का घरेलू ग्रॉस कलेक्शन 211.80 करोड़ रुपये हो चुका है, वहीं वर्ल्डवाइड इसने 272.80 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

इसके साथ ही 'दृश्यम-3' अजय देवगन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल होने की ओर तेजी से बढ़ रही है। फिलहाल 'सिंघम अगेन' 402.26 करोड़ रुपये के वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन के साथ अजय देवगन की टॉप फिल्म है। हालांकि, तीसरे दिन की कमाई में 'दृश्यम-3' ने 'सिंघम अगेन' को काफी पीछे छोड़ दिया है।

'सिंघम अगेन' ने तीसरे दिन 35.75 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि 'दृश्यम-3' ने 61 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू, श्रेया सरन, इशिता दत्ता, रजत कपूर, मृणाल जाधव, जयदीप अहलावत और प्रकाश राज अहम भूमिकाओं में हैं। अब फिल्म के मंडे कलेक्शन पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

विकेटकीपर के ऊपर से बाउंड्री पार गई वाइड गेंद, फिर भी नहीं मिला छक्का

कनाडा सुपर60 के सेमीफाइनल में अली खान की गेंद ने सभी को हैरान कर दिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। कनाडा सुपर60 के सेमीफाइनल मुकाबले में एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों को कुछ देर के लिए हैरान कर दिया। अमेरिका के तेज गेंदबाज अली खान ने मिसिसॉगा मास्टर्स के खिलाफ कायरन पोलार्ड को बाउंसर डालने की कोशिश की, लेकिन गेंद इतनी तेज और ऊंची रही कि वह बल्लेबाज के साथ–साथ विकेटकीपर के सिर के ऊपर से भी निकल गई। गेंद ने पिच पर टप्पा खाया और इसके बाद सीधे बाउंड्री पार चली गई। गेंद को बाउंड्री के पार जाता देखकर दर्शकों को लगा कि पोलार्ड ने छक्का लगा दिया है, लेकिन असल में गेंद उनके बल्ले से लगी ही नहीं थी। अंपायर ने तुरंत इसे वाइड करार दिया और गेंद के बाउंड्री पार जाने की वजह से टीम के खाते में कुल 5 रन जुड़ गए। क्रिकेट के नियमों के मुताबिक, छक्का तभी दिया जाता है जब गेंद बल्लेबाज के बल्ले से लगने के बाद बिना जमीन पर गिरे सीधे बाउंड्री के बाहर जाए। अगर गेंद बल्लेबाज के बल्ले को नहीं छूती और मैदान में टप्पा खाने के बाद बाउंड्री पार चली जाती है, तो उसे चौका माना जाता है। इसके अलावा वाइड गेंद होने के कारण एक अतिरिक्त रन भी मिलता है। यही वजह रही कि पोलार्ड को छक्का नहीं मिला और मिसिसॉगा मास्टर्स के खाते में पांच रन जुड़े। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मुकाबले में टोरंटो सिक्सर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 130 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए मिसिसॉगा मास्टर्स की टीम 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 121 रन ही बना सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

'टॉक्सिक' बनी टॉर्चर, यश की स्टार पावर भी नहीं बचा पाई फिल्म

'टॉक्सिक' से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं लेकिन कमजोर कहानी

लंबी अवधि और बिखरे निर्देशन ने फिल्म को निराशाजनक बना दिया

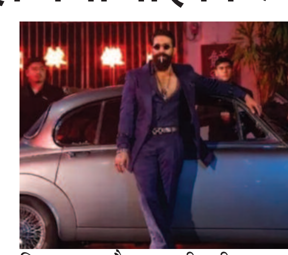

यूनिक समय, नई दिल्ली। यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोनअप्स' 26 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणि वसंत अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म को कन्नड़ और अंग्रेजी के अलावा हिंदी, तमिल और तेलुगु में भी रिलीज किया गया है। कहानी की शुरुआत कियारा आडवाणी और उनके बेटे से होती है, जिसके पिता का किरदार यश निभाते हैं। इसके बाद कहानी 1947 के गोवा पहुंचती है, जहां गैंगवार के बीच यश अपनी बहन नयनतारा के साथ अपना दबदबा कायम करने की कोशिश करते हैं। कहानी आगे 1967 तक पहुंचती है और फिल्म में भरपूर एक्शन देखने को मिलता है, लेकिन क्लाइमेक्स तक पहुंचते-पहुंचते कहानी दर्शकों को निराश कर देती है। फिल्म की सबसे बड़ी कमजोरी इसकी कहानी और निर्देशन है।

नसीरुद्दीन शाह पर पीयूष मिश्रा का तंज बोले–जब भी बोलेंगे, जवाब मिलेगा

सीजेपी प्रदर्शन में नसीरुद्दीन शाह के शामिल होने के बाद दोनों कलाकारों के बीच जुबानी बहस फिर तेज हो गई

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और पीयूष मिश्रा के बीच चल रही जुबानी बहस एक बार फिर चर्चा में आ गई है। नसीरुद्दीन शाह के मुंबई में सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होने के बाद पीयूष मिश्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर उन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नसीरुद्दीन शाह जब अलग–अलग सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हैं तो उन्हें उन घटनाओं पर भी बोलना चाहिए, जिनमें लोगों की जान बचाने जैसी बड़ी बातें सामने आती हैं। पीयूष मिश्रा ने फ्लाईदुबई की फ्लाइट 1073 से जुड़ी घटना का जिक्र करते हुए स्मित मच्छार की बहादुरी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि स्मित मच्छार ने करीब 180 लोगों की जान बचाई और नसीरुद्दीन शाह को उनकी बहादुरी पर भी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। इसके अलावा पीयूष मिश्रा ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में हुए छात्र विरोध का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह से प्रदर्शन कर रहे छात्रों के प्रति संवेदना व्यक्त करने की अपील की और उनके पुराने बयानों का हवाला देते हुए सवाल किए। पीयूष ने झारखंड का मुद्दा भी उठाया और कहा कि उन्होंने पहले नसीरुद्ददीन शाह से वहां के लिए मदद मांगी थी, लेकिन उन्हें एक पाकिस्तानी शायरा की नज्म मिली थी।

भारत और वेस्टइंडीज पर आईसीसी का सख्त एक्शन, स्लो ओवर रेट पर लगा जुर्माना

न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीसरे वनडे में दोनों टीमें तय समय के भीतर पूरे ओवर नहीं करा सकीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खत्म हो चुकी है, लेकिन अब सीरीज के तीसरे मुकाबले को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दोनों टीमों पर सख्त कार्रवाई की है। न्यू चंडीगढ़ के मुल्लानपुर में खेले गए सीरीज के आखिरी मुकाबले में दोनों टीमें निर्धारित समय के भीतर अपने पूरे ओवर नहीं करा सकीं। इसी वजह से दोनों टीमों पर स्लो ओवर रेट के तहत जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, भारत और वेस्टइंडीज पर लगी पेनाल्टी अलग–अलग है। तीसरा वनडे शनिवार को खेला गया था और मुकाबला निर्धारित समय से काफी देर बाद समाप्त हुआ। भारतीय टीम जब गेंदबाजी कर रही थी, तब मैदानी अंपायरों ने कप्तान शुभमन गिल को स्लो ओवर रेट को लेकर कई बार चेतावनी भी दी थी, लेकिन इसके बावजूद टीम तय समय के मुताबिक अपने ओवर पूरे नहीं कर सकी। आईसीसी के फैसले के अनुसार भारत पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है, जबकि वेस्टइंडीज को 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना भरना होगा। आईसीसी ने बताया कि समय की निर्धारित छूट को ध्यान में रखने के बाद वेस्टइंडीज की टीम दो ओवर कम पाई गई, जबकि भारतीय टीम की गेंदबाजी पारी में चार ओवर कम पाए गए। इसके बाद मैच रेफरी प्रकाश भट्ट ने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए बनाए गए आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत दोनों टीमों पर कार्रवाई की। इस नियम के मुताबिक निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए टीम के खिलाड़ियों पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इस मामले में मैदानी अंपायर जयरामन मदनगोपाल और सैम नोगाज्स्की, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला तथा चौथे अंपायर वीरेंद्र शर्मा ने आरोप लगाए थे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने अपनी–अपनी टीमों पर लगाए गए जुर्माने को स्वीकार कर लिया है। इसलिए मामले में आगे किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। वहीं, तीसरे वनडे में भारत को 351 रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था।

युवा और नए चेहरों पर दांव, 2027 से पहले भाजपा की बड़ी रणनीति

भाजपा ने यूपी में चला बड़ा दांव 8 नए चेहरों को राज्यसभा का टिकट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने आठ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने इस बार अनुभवी नेताओं के बजाय नए चेहरों पर भरोसा जताते हुए सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरण साधने की कोशिश की है। भाजपा की सूची में धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार शामिल हैं। पार्टी के उम्मीदवारों में तीन ओबीसी, दो अनुसूचित जाति और तीन सामान्य वर्ग से हैं। वहीं दो महिलाओं को भी मौका दिया गया है। धर्मपाल सिंह लोधी समाज से आते हैं और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। प्रकाश पाल पाल बिरादरी से हैं और संगठन में क्षेत्रीय मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। विद्यासागर सोनकर दलित समाज से आते हैं और पूर्व एमएलसी तथा मछलीशहर से पूर्व सांसद रह चुके हैं। आगरा से राम प्रताप सिंह चौहान को भी राज्यसभा का टिकट मिला है। वह एत्मादपुर से विधायक रह चुके हैं और वर्तमान में प्रदेश महामंत्री हैं। धर्मपाल सिंह भी आगरा के क्षेत्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। वहीं श्रुति गंगवार के नाम को लेकर भी खास चर्चा है। वह झारखंड के राज्यपाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार की बेटी हैं। आईआईटी पृष्ठभूमि वाली श्रुति अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उनके जरिए भाजपा ने रूहेलखंड में कुर्मी समाज और युवा महिला नेतृत्व को साधने की कोशिश की है। इस बार भाजपा ने कई मौजूदा नेताओं को टिकट नहीं दिया है। इनमें हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा, दिनेश शर्मा, नीरज शेखर, बृजलाल, सीमा द्विवेदी और गीता शाक्य जैसे नाम शामिल हैं।

'अब्दुल दरी नहीं बिछाएगा अपना हक लेगा', ओवैसी ने सपा-कांग्रेस को घेरा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सियासी तैयारियां तेज कर दी हैं। उत्तर प्रदेश के कई इलाकों के दौरे के दौरान इंडिया टीवी से बातचीत में ओवैसी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी को रोकने और योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए सभी विपक्षी दलों को एक साथ आना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि अगर सपा और कांग्रेस साथ नहीं आना चाहतीं तो यह उनकी मर्जी है, लेकिन मुस्लिमों को अपनी राजनीतिक संपत्ति समझने की राजनीति अब बंद करनी होगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी मुस्लिम समाज को नेतृत्व और उसका राजनीतिक हक दिलाने के लिए पूरी ताकत के साथ यूपी चुनाव लड़ेगी। ओवैसी ने समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले पर भी सवाल उठाते हुए राज्यसभा चुनाव में कारोबारी धनराज परिमल नाथवानी की उम्मीदवारी का जिक्र किया। उन्होंने सवाल किया कि सपा में मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व कहां है और क्या सिर्फ उनका वोट लिया जाएगा। ओवैसी ने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस को मुस्लिमों का वोट चाहिए, लेकिन उन्हें राजनीतिक हिस्सेदारी नहीं देनी है। अयोध्या और 6 दिसंबर से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को भी इन मुद्दों पर जवाब देना चाहिए। गठबंधन को लेकर ओवैसी ने कहा कि कुछ लोगों से बातचीत चल रही है और जल्द इसकी तस्वीर साफ होगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी को रोकना उनका मकसद है और जो भी उनके साथ आएगा, वे उसके साथ आने को तैयार हैं।

ओवैसी ने दोहराया, अब्दुल दरी नहीं बिछाएगा, अब्दुल अपना राजनीतिक हक लेगा। अब्दुल अपनी लीडरशिप तय करेगा और लीडर बनेगा। इससे पहले भी ओवैसी अखिलेश यादव को गठबंधन को लेकर चेतावनी दे चुके हैं और कह चुके हैं कि अगर उनकी बात नहीं मानी गई तो यूपी में "महाभारत" तय है।

पत्नी से विवाद के बाद सर्जन ने उठाया खौफनाक कदम

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में 47 वर्षीय सरकारी सर्जन संदीप सिंह ने पत्नी से विवाद के बाद अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना रविवार रात निराला नगर स्थित ब्लॉसम अपार्टमेंट की है। संदीप कानपुर देहात के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में जनरल सर्जन के पद पर तैनात थे। पुलिस के मुताबिक, घटना से पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। गोली चलने की आवाज सुनकर पत्नी कंचन कमरे में पहुंचीं तो संदीप खून से लथपथ जमीन पर पड़े मिले। परिजन उन्हें रीजेंसी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और फोरेंसिक टीम ने रिवॉल्वर कब्जे में लेकर शव को

पुलिस बोली, पत्नी से अनबन की बात सामने आई

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार, विवाद के बाद संदीप रिवॉल्वर लेकर कमरे में चले गए थे। इसके बाद वह पूजा घर में पहुंचे और वहीं खुद को गोली मार ली। पुलिस शुरुआती जांच में पत्नी से अनबन को घटना की संभावित वजह मान रही है, हालांकि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। संदीप के पिता राज बहादुर सिंह ने बताया कि रविवार रात करीब 9:30 बजे उनकी बेटे से फोन पर बात हुई थी। परिजनों के मुताबिक, संदीप की दो शादियां हुई थीं। पहली शादी 2007 में कानपुर की एक एमबीबीएस डॉक्टर से हुई थी, लेकिन 2018 में दोनों का तलाक हो गया।

15 सीटों की खबर पर तंजीम फातिमा का पलटवार

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात और आगामी विधानसभा चुनाव में 15 सीटों की मांग को लेकर सामने आई खबर पर आजम खान की पत्नी तंजीम फातिमा ने सफाई दी है। उन्होंने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 15 सीटों की मांग से जुड़ी खबर को पूरी तरह फर्जी और बेबुनियाद बताया। तंजीम फातिमा ने कहा कि उनकी अखिलेश यादव से मुलाकात जरूर हुई थी, लेकिन सीटों की मांग किए जाने की बात गलत है। उन्होंने कहा कि खबर को विश्वस्त सूत्रों के हवाले से प्रकाशित किया गया, लेकिन खबर प्रकाशित करने से पहले उनसे इसकी पुष्टि तक नहीं की गई। तंजीम फातिमा ने कहा कि अखिलेश यादव उनके और आजम खान के लिए औलाद की तरह हैं। ऐसे में आजम खान का पत्र लेकर अखिलेश यादव पर किसी तरह का दबाव बनाने का सवाल ही नहीं उठता। दरअसल, हाल ही में अखिलेश यादव से तंजीम फातिमा की मुलाकात को लेकर एक खबर सामने आई थी। इसमें दावा किया गया था कि वह आजम खान का पत्र लेकर अखिलेश से मिली थीं और आगामी

15 सीटों की मांग की खबर से गरमाई सियासत

विधानसभा चुनाव में 15 सीटों की मांग की थी। खबर में यह भी कहा गया था कि इन सीटों पर आजम खान अपनी पसंद के उम्मीदवार उतारना चाहते हैं। खबर सामने आने के बाद यूपी की सियासत में चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब तंजीम फातिमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस पूरे दावे को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि खबर में कोई सच्चाई नहीं है और इसे बिना पुष्टि के प्रकाशित किया गया। उन्होंने मीडिया संस्थान पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इतनी बड़ी खबर प्रकाशित करने से पहले संबंधित पक्ष से इसकी पुष्टि जरूर की जानी चाहिए थी। उन्होंने दोहराया कि 15 सीटों की मांग वाली खबर पूरी तरह गलत और बेबुनियाद है।

रावण के पुतले में पटाखे भरते ही धमाका, 5 झुलसे दो की हालत गंभीर

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद में दशहरा से पहले रावण के पुतले की तैयारी के दौरान बड़ा हादसा हो गया। लाजपत नगर स्थित नगर निगम के सामुदायिक केंद्र में 5 अक्टूबर की सुबह पुतले में पटाखे और आतिशबाजी की सामग्री भरते समय अचानक जोरदार धमाका हो गया। हादसे में पांच लोग झुलस गए। इनमें कुछ नाबालिग भी बताए जा रहे हैं। धमाका इतना तेज था कि सामुदायिक केंद्र के बड़े हॉल की दो दीवारें क्षतिग्रस्त होकर गिर गईं। घटना सुबह करीब 9:26 बजे की बताई जा रही है। फायर विभाग को रामलीला मैदान, शनि चौक के पास पटाखों की दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना पर दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। जांच में सामने आया कि आग पटाखों की दुकान में नहीं, बल्कि रामलीला मैदान के पीछे स्थित सामुदायिक केंद्र के हॉल में लगी थी। इसी हॉल में रावण का पुतला तैयार किया जा रहा था।

बताया गया कि रामलीला कमेटी ने रावण का पुतला तैयार करने का ठेका अनिल सिंह को दिया था। उनके मजदूर पुतले में पटाखे भर रहे थे, तभी अचानक आग भड़क गई और धमाका हो गया।

घायलों को एमएमजी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर घायलों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल और तीन को जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया। दो घायलों की पहचान ऋषभ और हरेंद्र के रूप में हुई है। हादसे के बाद अवैध पटाखा फैक्ट्री की अफवाह भी फैली, लेकिन एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने इसे खारिज करते हुए कहा कि वहां पटाखे बनाने का काम नहीं हो रहा था।

68,500 शिक्षक भर्ती पर बवाल, मंत्री आवास घेरा

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में आरक्षण विसंगति को लेकर सोमवार को अभ्यर्थियों ने जमकर प्रदर्शन किया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया।

इस दौरान अभ्यर्थियों ने सीटी बजाकर और नारेबाजी कर अपनी मांगें उठाईं। कई प्रदर्शनकारी सड़क पर लेट गए, जिसके बाद मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्कामुक्की भी हुई। इसके बाद पुलिस ने कई अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया।

अभ्यर्थियों का कहना है कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने ओबीसी दिव्यांग अभ्यर्थियों के परिणाम में संशोधन कर

उन्हें नियुक्ति देने के संबंध में आदेश दिया है। अभ्यर्थियों के मुताबिक आयोग ने 150 में से 60 अंक यानी 40 प्रतिशत के आधार पर परिणाम संशोधित करने और नियुक्ति देने की बात कही है। साथ ही आरक्षण में विसंगति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की बात भी कही गई है। अभ्यर्थी इसी आदेश को लागू करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने 'संदीप भैया न्याय करो' और 'है हक हमारा आरक्षण, हम लेकर रहेंगे आरक्षण' जैसे नारे लगाए। अभ्यर्थियों का कहना है कि एक सितंबर से ईको गार्डन में उनका लगातार धरना चल रहा है, लेकिन अब तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रदर्शन के दौरान आजमगढ़ से आए अभ्यर्थी सच्चिदानंद तेज धूप के कारण शिक्षा मंत्री के आवास के गेट के सामने बेहोश होकर गिर पड़े। पुलिसकर्मियों ने उन्हें छांव में पहुंचाया और पानी-बिस्किट देने के बाद एहतियातन सिविल अस्पताल भेजा।

धरने का नेतृत्व कर रहे तूफान सिंह ने बताया कि प्रशासन की ओर से शिक्षा मंत्री से वार्ता की गई है। मंगलवार दोपहर 12 बजे के बाद अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल और मंत्री के बीच वार्ता प्रस्तावित है। वार्ता में मांगों पर चर्चा के बाद अभ्यर्थी आगे की रणनीति तय करेंगे।

ज्ञानेश कुमार को मिली राहत निलंबन की मांग खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और निर्वाचन आयोग से मांगा जवाब

आयोग के फैसलों की प्रक्रिया जांचेगा कोर्ट, अगली सुनवाई अगले सप्ताह

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत मिल गई है। सोमवार को हुई सुनवाई में शीर्ष अदालत ने उन्हें पद से निलंबित करने का अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, मामले को पूरी तरह खत्म नहीं किया गया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई अगले सप्ताह होने की बात कही गई है।

याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि चुनाव आयोग के कुछ फैसले अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने अंतरिम राहत की मांग करते हुए गंभीर दलीलें रखीं। उन्होंने सुनवाई के दौरान कहा कि यदि अंतरिम आदेश नहीं दिया गया तो स्थिति गंभीर हो सकती है। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अदालत मामले को देख रही है और केवल समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अब वह संबंधित रिकॉर्ड की जांच करेगा। अदालत यह देखेगी कि विवादित फैसले चुनाव आयोग में सर्वसम्मति से लिए गए थे, बहुमत से या किसी अन्य प्रक्रिया के तहत।

यदि रिकॉर्ड से यह सामने आता है कि कोई फैसला निर्धारित कानून या प्रक्रिया के अनुरूप नहीं लिया गया, तो अदालत उस फैसले को रद्द करने पर विचार कर सकती है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल हैं। अदालत ने फिलहाल ज्ञानेश कुमार के निलंबन की मांग स्वीकार नहीं की है, लेकिन केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब मांगकर मामले की गंभीरता बनाए रखी है। ऐसे में ज्ञानेश कुमार पद पर बने रहेंगे, जबकि अब निगाहें अगले सप्ताह होने वाली सुनवाई पर रहेंगी।

रात 10 बजे भी क्यों डरे महिला, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

सार्वजनिक जगहों की सुरक्षा पर उठे सवाल

736 पार्कों के ऑडिट में सामने आईं खामियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र और दिल्ली पुलिस को ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे महिलाएं रात 10 बजे भी सार्वजनिक स्थानों और परिवहन में खुद को सुरक्षित महसूस करें। अदालत ने कहा कि पार्क, सड़क और बसें महिलाओं के लिए जोखिम वाले स्थान नहीं बननी चाहिए।

आस्था कुंज पार्क में किशोरी से कथित सामूहिक दुष्कर्म के बाद कराए गए सुरक्षा ऑडिट में दिल्ली के 736 पार्कों की व्यवस्था सामने आई। इनमें केवल 16 पार्कों में सीसीटीवी मिले, जबकि 190 पार्कों को ज्यादा जोखिम वाला बताया गया। 520 पार्कों में अतिरिक्त रोशनी और 323 में और कैमरों की जरूरत सामने आई। आस्था कुंज में 30 से अधिक स्थानों पर कैमरे लगाने की तैयारी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस नहीं, पूरी व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

दरोगा भर्ती परीक्षा रद्द, पटना में अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार में दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में सोमवार को अभ्यर्थियों ने पटना में जोरदार प्रदर्शन किया। गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे अभ्यर्थियों को जेपी गोलंबर के पास पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। इसके बाद कई अभ्यर्थी डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ गए। प्रदर्शन के कारण कई मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ।

अभ्यर्थियों का कहना है कि 1799 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में करीब 10 हजार अभ्यर्थियों का मुख्य परीक्षा परिणाम जारी हुआ था।

परीक्षा में सफल होने के बाद वे करीब चार महीने से शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। अचानक मुख्य परीक्षा रद्द किए जाने से उनका भविष्य अधर में लटक गया है। उनका आरोप है कि यदि कहीं गड़बड़ी हुई थी तो दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए थी।

प्रदर्शनकारियों ने मुख्य परीक्षा रद्द करने का आदेश वापस लेने और जल्द शारीरिक परीक्षा की तारीख घोषित करने की मांग की।

हवाई सफर महंगा, इंडिगो ने फिर बढ़ाया ईंधन शुल्क

घरेलू उड़ानों में 375 से 1,300 रुपये तक बढ़ा शुल्क

यूनिक समय, नई दिल्ली। हवाई सफर करने वालों की जेब पर एक बार फिर बोझ बढ़ने वाला है। इंडिगो ने हवाई ईंधन की कीमतों में 14 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का ईंधन शुल्क बढ़ा दिया है। नई दरें 6 अक्टूबर से लागू होंगी।

घरेलू उड़ानों में दूरी के आधार पर अब 375 से 1,300 रुपये प्रति खंड शुल्क लगेगा। इससे पहले यह 275 से 950 रुपये तक था।

500 किलोमीटर तक की उड़ान पर 375 रुपये, 501 से 1,000 किलोमीटर पर 600 रुपये और 1,001 से 1,500 किलोमीटर पर 900 रुपये शुल्क होगा। 1,501 से 2,000 किलोमीटर के लिए 1,150 रुपये और इससे अधिक दूरी पर 1,300 रुपये देने होंगे। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में भी शुल्क बढ़ाया गया है। यूरोप के लिए यह 10 हजार रुपये, अफ्रीका के लिए 6 हजार और दक्षिण-पूर्व एशिया समेत कुछ अन्य मार्गों के लिए 5,500 रुपये तक होगा।

गिरफ्तारी की आशंका के बीच 10 अक्टूबर को प्रदर्शन, सीजेपी का दावा

एसआईआर के विरोध में जंतर-मंतर पर जुटने का एलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं ने दावा किया है कि 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले सरकार उनके कुछ नेताओं को गिरफ्तार कर सकती है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि गिरफ्तारी या जेल की कार्रवाई से आंदोलनकारी डरने वाले नहीं हैं। सीजेपी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन का एलान किया है।

सीजेपी नेता सौरव दास ने कहा कि नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भी आंदोलन जारी रहेगा। आशुतोष रांका ने भी दावा किया कि 10 अक्टूबर से पहले नेताओं पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून या अन्य कानूनों के तहत कार्रवाई हो सकती है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पार्टी के अनुसार, दिल्ली में वाम दलों, आम आदमी पार्टी और छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किए हैं। मुंबई में भी सीजेपी समेत विभिन्न संगठनों ने मार्च निकाला। अभिजीत दीपके ने एसआईआर को लेकर चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

मोबाइल नेटवर्क से बचने को आतंकी अपना रहे नया तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के संचार को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने नया अलर्ट जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक, आतंकी सामान्य मोबाइल नेटवर्क और वाई-फाई से बचने के लिए लोरा उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये कम ऊर्जा वाली रेडियो संचार तकनीक पर काम करते हैं और इनके जरिए संदेश, स्थान संबंधी जानकारी तथा अन्य आंकड़े भेजे जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, मौके से एके-47, मैगजीन, मोबाइल फोन और लोरा उपकरण बरामद हुआ। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगा रही हैं कि आतंकी संगठनों में इस तकनीक का इस्तेमाल कितने स्तर तक हो रहा है। एजेंसियों का ध्यान ऐसे संचार नेटवर्क की पहचान और उसे बाधित करने पर है।

8.5 लाख किताबों वाली लाइब्रेरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली की 135 साल पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी को नए सेंट्रल विस्टा में शिफ्ट करने की योजना पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस संजीव सचदेवा की पीठ ने केंद्र को तीन सप्ताह में हलफनामा दाखिल कर लाइब्रेरी के लिए प्रस्तावित जगह का नक्शा और पूरा ब्योरा देने को कहा है।

कोर्ट ने पूछा कि 1891 से संचालित इस लाइब्रेरी के 8.5 लाख से अधिक किताबों और दस्तावेजों के लिए नए परिसर में कितनी जगह उपलब्ध कराई जाएगी। आरके पुरम में रखी करीब दो लाख किताबों के भविष्य पर भी अदालत ने सवाल उठाया। कोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि क्या इतने बड़े संग्रह के लिए केवल दो कमरे ही प्रस्तावित हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता हरिप्रिया पद्मनाभन को मामले में न्याय मित्र नियुक्त किया गया है।

सेंट्रल विस्टा योजना के तहत शास्त्री भवन को हटाया जाना प्रस्तावित है। इसी भवन में 1969 से यह लाइब्रेरी संचालित हो रही है। इसकी शुरुआत 1891 में इंपीरियल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी के रूप में हुई थी। वर्ष 1911 में इसे कलकत्ता से दिल्ली लाया गया था। करीब 5,500 वर्ग मीटर में फैली चार मंजिला लाइब्रेरी में सरकारी अधिकारियों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी भी पहुंचते हैं। केंद्र ने कहा है कि नई लाइब्रेरी के लिए, जगह तय है और निर्माण प्रक्रिया चल रही है।

नवरात्र से पहले हिमाचल में उमड़ा सैलानियों का सैलाब

होटलों में 60 फीसदी से ज्यादा बुकिंग, त्रियुंड भी गुलजार

भीड़ बढ़ने से यातायात और पार्किंग की चुनौती

यूनिक समय, नई दिल्ली। नवरात्र और दशहरा से पहले हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला-मैक्लोडगंज में पर्यटन गतिविधियां तेज हो गई हैं। सुहावने मौसम और लंबे सप्ताहांत के चलते पिछले दिनों पांच हजार से अधिक पर्यटक वाहन धर्मशाला क्षेत्र में पहुंचे। मैक्लोडगंज और आसपास की सड़कों पर वाहनों की संख्या बढ़ने से कई स्थानों पर यातायात धीमा रहा। वहीं होटलों में भी कमरों की मांग बढ़ी है।

मैक्लोडगंज के होटलों में ठहरने वाले पर्यटकों की संख्या 60 फीसदी से अधिक पहुंच गई है। होटल, घर-आवास, भोजनालय, कैफे, टैक्सी और पर्यटन गतिविधियों से जुड़े कारोबारियों को नवरात्र-दशहरा के दौरान और बेहतर कारोबार की उम्मीद है। मैक्लोडगंज आने वाले पर्यटकों का रुझान अब त्रियुंड की ओर भी बढ़ रहा है। साफ मौसम के बीच सैकड़ों पर्यटक ट्रैकिंग के लिए पहुंच रहे हैं। गलू जांच चौकी पर पंजीकरण के लिए कतारें लग रही हैं। बढ़ती भीड़ के कारण यहां व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ गया है।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या से पर्यटन कारोबार में रौनक है, लेकिन यातायात व्यवस्था के लिए चुनौती भी बढ़ रही है। मैक्लोडगंज, धर्मकोट और आसपास के मार्गों पर सप्ताहांत में वाहनों का दबाव बढ़ा। खराब सड़कों के कारण परेशानी और बढ़ रही है। स्थानीय लोगों ने पर्यटन सीजन को देखते हुए सड़कों की मरम्मत, पार्किंग और यातायात व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत बताई है। नवरात्र और दशहरा की छुट्टियों में पर्यटकों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन के सामने भीड़ प्रबंधन के साथ त्रियुंड में पंजीकरण व्यवस्था सुचारू रखने की चुनौती होगी।

गांधीजी पर आपत्तिजनक रील 10 लाख फॉलोअर्स वाली महिला गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। महात्मा गांधी की तस्वीर वाले 500 रुपये के नोट को लेकर आपत्तिजनक रील बनाने के आरोप में सूरत पुलिस ने 47 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। साइबर अपराध शाखा ने सोमवार को यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान सिमरन पटेल के रूप में हुई है। इंस्टाग्राम पर उसके करीब 10 लाख अनुयायी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार सिमरन ने एक अक्टूबर को अपने इंस्टाग्राम खाते पर यह रील साझा की थी। पुलिस के मुताबिक सिमरन सूरत के अडाजण क्षेत्र की रहने वाली और गृहिणी हैं। उनके खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से बिना पुष्टि वाली सामग्री और अफवाहें साझा नहीं करने की अपील की है।

जन्मस्थान पर गूंजी शिव-पार्वती विवाह की मंगल ध्वनि

श्रीकृष्ण जन्मस्थान के लीला मंच पर राजा हिमाचल की सभा में पार्वती और मुनि नारद लीला का मंचन।

शिव बारात में उमड़ा उल्लास, पाणिग्रहण संस्कार ने मोहा मन

आज रंगमंच पर नारद मोह और रावण जन्म की लीला

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान के लीला मंच पर सोमवार को शिव-पार्वती विवाह की मनोहारी और हृदयस्पर्शी लीला का मंचन किया गया। इससे पूर्व श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में बैंड-बाजों के साथ भगवान शिव की भव्य बारात निकाली गई। बारात में देवताओं के साथ भूत-प्रेत और पिशाचों का स्वरूप आकर्षण का केंद्र रहा।

लीला में देवर्षि नारद ने राजा हिमाचल को पार्वती के विवाह के संबंध में बताया कि उनका विवाह भगवान शिव से होगा। माता मैना इससे चिंतित हुईं, लेकिन पार्वती ने तपस्या कर शिव को पति रूप में प्राप्त करने का संकल्प लिया। कठिन तप के बाद ब्रह्माजी ने उन्हें वर प्रदान किया। देवताओं के आग्रह पर भगवान शिव विवाह के लिए तैयार हुए। बारात हिमाचल के यहां पहुंची तो शिव के स्वरूप और बरातियों को देखकर मैना भयभीत हुईं, लेकिन पार्वती ने उन्हें धैर्य दिया। इसके बाद शिव-पार्वती का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न हुआ।

लीला में गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, कपिल शर्मा, सभापति जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, उपसभापति जुगलकिशोर अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, महामंत्री मूलचन्द गर्ग, मंत्री प्रदीप सर्राफ पीके, विजय सर्राफ किरोड़ी, कोषाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल सर्राफ, आय-व्यय निरीक्षक अजय मास्टर, श्रृंगार मंत्री सुरेन्द्र शर्मा खौना, विनोद अग्रवाल, नगेन्द्र मोहन मित्तल, दिनेश सदर, अजय कांत गर्ग, रवि प्रकाश साड़ी वाले, योगेश आवा, संजय बिजली, विवेक सूतिया, अनूप टेंट, अजय सर्राफ, वैभव अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, रोहित चुनमुन, कौशल जिन्दल, राज नारायण गौड़, राजीव शर्मा, संजय किरोड़ी, शैलू हकीम, निखिल शर्मा और प्रिंस यादव, पं. शशांक पाठक आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। प्रसाद व्यवस्था मध्याह्न में राजकुमार सर्राफ वृंदावनवाले और रात्रि में बाबा यादवेन्द्र चेरिटेबल ट्रस्ट ने की। श्रृंगार व्यवस्था उमेश बिजली, विष्णु शर्मा, रमेश किस्सो और नितिन शर्मा ने संभाली। छह अक्टूबर को शाम सात बजे रंगमंच पर नारद मोह और रावण जन्म की लीला होगी।

जन्मभूमि पर उडुपी पीठाधीश्वर कल करेंगे विशेष महापूजा

यूनिक समय, मथुरा। उडुपी के श्री पेजावर अधोक्षज मठ के पीठाधीश्व र जगद्गुरु श्री श्री 1008 विश्व प्रसन्न तीर्थ स्वामी जी महाराज मंगलवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर विशेष महापूजा करेंगे। सुबह सात बजे होने वाले पूजन में दक्षिण भारत से लाए गए पवित्र द्रव्यों, तुलसी दल और दिव्य रत्नों से भगवान का अर्चन किया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि स्वामीजी की पूजा ब्रज की भक्ति परंपरा और उडुपी के द्वैत वेदांत दर्शन के आध्यात्मिक संगम का प्रतीक होगी। मथुरा भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है, जबकि उडुपी में भगवान के बाल स्वरूप की पूजा होती है। दोनों स्थानों का श्रीकृष्ण भक्ति से गहरा संबंध है। पूजा में उडुपी की समरसता और भक्ति परंपरा का भाव भी दिखाई देगा। स्वामी विश्व प्रसन्न तीर्थ वर्ष 2020 में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी बने थे। चार अक्टूबर को जन्मभूमि के दर्शन के बाद उन्होंने विशेष पूजा की इच्छा व्यक्त की थी। ब्रज यात्रा के दौरान स्थानीय भक्तों के साथ दक्षिण भारत से आए श्रद्धालु भी शामिल होंगे।

स्किल स्प्रिंट में 16 विद्यालयों के 350 खिलाड़ियों का दमखम

क्रिकेट, वॉलीबॉल और बैडमिंटन में दिखी प्रतिभा

बैडमिंटन में जयपुरिया कान्हा माखन और राजीव इंटरनेशनल चमके

यूनिक समय, मथुरा। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में आयोजित दो दिवसीय अंतरविद्यालयी प्रतियोगिता 'स्किल स्प्रिंट 2026' के पहले दिन 16 विद्यालयों के 350 से अधिक खिलाड़ियों ने खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में क्रिकेट, वॉलीबॉल और बैडमिंटन के मुकाबले हुए। खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

आयोजन में सिटी कोऑर्डिनेटर मथुरा और डीपीएस रिफाइनरी नगर के प्राचार्य शैलेन्द्र सिंह अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और खेलों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। बैडमिंटन के अंडर-14 बालक वर्ग में सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल ने स्वर्ण पदक जीता। अंडर-14 बालिका वर्ग में भी जयपुरिया स्कूल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंडर-19 बालक वर्ग में कान्हा माखन मिलेनियम स्कूल विजेता रहा, जबकि अंडर-19 बालिका वर्ग में राजीव इंटरनेशनल स्कूल ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

क्रिकेट के अंडर-14 बालक वर्ग में कान्हा माखन पब्लिक स्कूल, जयगुरुदेव ने विजेता का खिताब हासिल किया। आयोजकों के अनुसार, स्किल स्प्रिंट 2026 का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन शार्क टैंक और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

अग्रसेन जयंती महोत्सव में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

स्वास्थ्य शिविर में मौजूद श्री अग्रसेन मानव सेवा मंडल महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारी।

कैंसर से बचाव के बताए उपाय, 80 मरीजों ने लिया परामर्श

हृदय, रक्त समेत कई जांचें शिविर में निशुल्क की गई

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रसेन मानव सेवा मंडल महिला प्रकोष्ठ की ओर से 39वें विशाल अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर से हुआ। सर्वोदय हेल्थ हॉस्पिटल में आयोजित शिविर में हड्डी रोग, सामान्य चिकित्सा और कैंसर विशेषज्ञों ने मरीजों की जांच की। कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. ब्रह्मजीत सिंह ने लोगों को कैंसर से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने खानपान और जीवनशैली में सावधानी बरतने की सलाह दी। शिविर में हृदय की विद्युत जांच, रक्त जांच सहित अन्य जांचें निशुल्क की गईं। करीब 70 से 80 मरीजों ने चिकित्सकों से परामर्श लिया, जबकि 20 मरीजों की विभिन्न जांचें की गईं। शिविर में निर्देशिका ममता बिंदल, अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, महामंत्री प्राची बंसल, कोषाध्यक्ष सुनीता चौकसी के अलावा लक्ष्मी गुप्ता, बिना अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, मीता अग्रवाल, ज्योति चौधरी, तृप्ति अग्रवाल, मिनाली बंसल, माया रानी, योगिता अग्रवाल, बबीता बंसल, ऋतु बंसल, राधिका, धरा और हिमानी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

मथुरा के दो वरिष्ठ चिकित्सकों को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

डॉ. भरत गुप्ता और डॉ. अंजू गुप्ता को मिला विशेष पुरस्कार

फूड एंड न्यूट्रिशन क्षेत्र में योगदान के लिए समारोह में सम्मान

सम्मान पाने वाले चिकित्सक डॉ. भरत गुप्ता और डॉ. अंजू गुप्ता।

यूनिक समय, मथुरा। चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मथुरा के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. भरत गुप्ता और वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजू गुप्ता को विशेष सम्मान से नवाजा गया। दोनों चिकित्सकों को फूड एंड न्यूट्रिशन क्षेत्र में योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।

गोवा के एक होटल में आयोजित 63 वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑन मेडिसिन एंड न्यूट्रिशन' के दीक्षांत समारोह में दोनों चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। समारोह में फूड एवं न्यूट्रिशन क्षेत्र के विशेषज्ञों ने उनके चिकित्सकीय कार्य और सामाजिक योगदान की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए केवल बीमारी का उपचार ही पर्याप्त नहीं है। संतुलित आहार, पोषण और बेहतर जीवनशैली के प्रति लोगों को जागरूक करना भी जरूरी है। इसी दिशा में चिकित्सकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें सम्मान दिया गया।

डॉ. भरत गुप्ता लंबे समय से मथुरा में चिकित्सा सेवाएं दे रहे हैं। उन्हें पूर्व में भी विभिन्न चिकित्सा सम्मानों से नवाजा जा चुका है। वहीं डॉ. अंजू गुप्ता भी लंबे समय से चिकित्सा सेवाओं के साथ स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। समारोह में उनके योगदान की भी सराहना की गई।

स्केटिंग में रतनलाल की बेटियों ने लहराया परचम

विजयी छात्राओं के साथ प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह और अन्य शिक्षिकाएं।

यूनिक समय, मथुरा। हैदराबाद के श्री विद्यारण्य इंटरनेशनल स्कूल, बंडलागुडा जागीर में 25 से 27 सितंबर तक आयोजित अखिल भारतीय स्केटिंग प्रतियोगिता में रतनलाल फूल कटोरी विद्यालय की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय की आठ छात्राओं ने प्रतिभागिता की और पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया।

किशोर वर्ग में बहन भव्या ने स्वर्ण पदक हासिल किया। तरुण वर्ग में बहन सती और बहन नंदिनी ने स्वर्ण पदक जीते। बहन ख्याति ने रजत पदक प्राप्त किया।

वहीं बहन कीर्ति, बहन तनु और बहन चित्रांगना ने कांस्य पदक हासिल कर सफलता में योगदान दिया। छात्राओं ने सामूहिक रूप से पांच स्वर्ण, दो रजत और छह कांस्य पदक प्राप्त किए।

विद्यालय की पांच छात्राओं का एसजीएफआई प्रतियोगिता के लिए चयन भी हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है। प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह ने भव्या, सती, नंदिनी, ख्याति, कीर्ति, तनु और चित्रांगना समेत सभी प्रतिभागी छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेलों से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और शारीरिक- मानसिक विकास को मजबूती मिलती है। विद्यालय छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर आठ से 15 अक्टूबर तक धूम

अग्रसेन जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल आदि।

बीएसए कॉलेज मैदान में 13 से 15 अक्टूबर तक लगेगा भव्य मेला

धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों से सजेगा जयंती महोत्सव

यूनिक समय, मथुरा। श्री महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह को भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्री तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित बैठक में पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों और विशेष आमंत्रित सदस्यों ने आठ से 15 अक्टूबर तक होने वाले जयंती महोत्सव की रूपरेखा तैयार की। धर्मशाला अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल मांट वाले और मंत्री कृष्ण मुरारी सर्राफ नेताजी ने बताया कि आठ अक्टूबर को नर सेवा-नारायण सेवा के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा।

नौ अक्टूबर को श्री तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर लगेगा। दस अक्टूबर को यमुना पार लक्ष्मी नगर स्थित अग्रसेन घाट पर दीपदान, रंगोली सजाओ, दीप जलाओ कार्यक्रम और भजन संध्या होगी। 11 अक्टूबर को कलश यात्रा का अग्रसेन चौक पर स्वागत, होलीगेट स्थित अग्रवाल धर्मशाला पर पुष्पांजलि, ध्वजारोहण, हवन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और वरिष्ठ जन सम्मान समारोह आयोजित होगा। 12 अक्टूबर को श्री महाराजा अग्रसेन जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसका तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला पर स्वागत किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयंती प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि 13, 14 और 15 अक्टूबर को बीएसए कॉलेज मैदान में तीन दिवसीय भव्य अग्रसेन मेले का आयोजन होगा। उन्होंने अग्रवाल समाज से सभी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। पूर्व मुख्य मीडिया प्रभारी राजीव मित्तल सोनू ने कहा कि महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी संयोजक जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं।

बैठक में उपाध्यक्ष शिव कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल कोसी, जयंती संयोजक किशोर मित्तल, संदीप अड्की, अग्रवाल सभा अध्यक्ष अशोक बंसल, प्रधानमंत्री सुभाष सिक्का, रजनीश चौधरी, शोभायात्रा संयोजक रोहित एटा, रवि कैटर्स, विनोद सिंघल और विभोर अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।